मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 41
बुधवार, 20 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मुंबई के कई इलाकों में रेड अलर्ट जारी, मुख्यमंत्री बोले, मुंबई में लगभग 300 मिमी हुई बारिश

मुंबई, 19 अगस्त। मुंबई और पुणे सहित महाराष्ट्र के अन्य भागों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मृत्यु हो गई है और जनजीवन लगभग ठप्प हो गया है, सड़कें, मेट्रो और रेल पटरियां भारी जलमग्न हो गई हैं तथा हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ है। वित्तीय राजधानी मुंबई में मंगलवार को भारी बारिश के कारण जीवन रेखा लोकल ट्रेनें स्थगित कर दी गईं, जबकि स्कूल, कॉलेज और सरकारी कार्यालय भी बंद कर दिए गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इसके लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि मुंबई में लगभग 300 मिमी बारिश हुई है, जिससे कुछ व्यवधान उत्पन्न हुए हैं, लेकिन मीठी नदी का जलस्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है। 18 अगस्त की सुबह 8 बजे से 19 अगस्त की सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में शहर में 300 मिमी बारिश हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहाँ जरूरत है वहाँ एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। अगले कुछ घंटों के लिए कोंकण और घाट क्षेत्रों में रेड

अलर्ट जारी रहेगा और कुछ इलाकों के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है।पत्रकारों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, ₹राज्य में भारी बारिश के कारण कुछ जगहों पर जान-माल का नुकसान हुआ है। कुछ जगहों पर एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवान तैनात हैं। मुंबई में लगभग 300 मिमी बारिश हुई है, जिसके कारण कुछ व्यवधान उत्पन्न हुए हैं। मीठी नदी का जलस्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है। कोंकण और घाट क्षेत्रों में अगले कुछ घंटों के लिए रेड अलर्ट जारी है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज नौपाड़ा इलाके का दौरा किया, जहाँ कई घरों में पानी भर गया था। शहर में कल रात से लगातार बारिश हो रही है।

बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए कुर्ला के क्रांति नगर में एनडीआरएफ की टीम भी तैनात की गई है। भारी बारिश के कारण वाशी रेलवे स्टेशन से मुंबई स्टेशन तक लोकल ट्रेन सेवाएँ ठप हो गईं, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा हुई। लगभग एक घंटे तक ट्रेनों की आवाजाही बाधित रही, जिससे बड़ी संख्या में यात्री स्टेशन पर फँसे रहे। कार्यालय जाने वाले नागरिकों पर सीधा असर पड़ा।

पूर्व न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी होंगे उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार

नई दिल्ली, 19 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष का उम्मीदवार घोषित किया गया है। उनका मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। इस चुनाव से एक रोमांचक राजनीतिक मुकाबले की उम्मीद है क्योंकि मतदान से पहले दोनों ही खेमे समर्थन जुटा रहे हैं। यह घोषणा मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद का यह चुनाव एक वैचारिक लड़ाई है और सभी विपक्षी दल इस पर सहमत हैं और यही कारण है कि हमने बी सुदर्शन रेड्डी को संयुक्त उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। खड़गे ने कहा कि बी. सुदर्शन रेड्डी भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक हैं। उनका एक लंबा और प्रतिष्ठित कानूनी करियर रहा है, जिसमें आंध्र प्रदेश

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य शामिल है। वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के एक निरंतर और साहसी समर्थक रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे एक गरीब व्यक्ति हैं और यदि आप उनके कई फैसले पढ़ेंगे, तो आपको पता चलेगा कि कैसे उन्होंने गरीब लोगों का पक्ष लिया और संविधान और मौलिक अधिकारों की रक्षा की। पिछले हफ़्ते, सत्तारूढ़ एनडीए ने अनुभवी भाजपा नेता 67 वर्षीय राधाकृष्णन को अपना उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया। वे वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं और तमिलनाडु से हैं। लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों वाले निर्वाचक मंडल में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पास स्पष्ट बहुमत होने के कारण, राधाकृष्णन की जीत निश्चित है, क्योंकि विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक अपना उम्मीदवार उतारकर चुनाव लड़ने के संकेत दे रहा है।

स्कूल फीस बिल पर आप ने साधा निशाना

नई दिल्ली, 19 अगस्त। आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को निजी स्कूलों की फीस को नियंत्रित करने वाले नए शिक्षा विधेयक की आलोचना करते हुए इसे ₹मध्यम वर्ग के अभिभावकों और छात्रों के खिलाफ₹ बताया। भारद्वाज ने आगे कहा कि पार्टी ने इस कानून के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है और फीस वृद्धि के बारे में अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए दिल्ली भर के निजी स्कूलों के बाहर पर्चे बांट रही है।

भारद्वाज ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से कहा कि निजी स्कूलों की फीस को लेकर एक नया शिक्षा कानून बनाया गया है। यह पूरी तरह से निजी स्कूल मालिकों के लिए बनाया गया है और मध्यम वर्ग और बच्चों के अभिभावकों के खिलाफ है। इसके लिए हमने आज एक अभियान शुरू किया है, जिसके तहत हम दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में निजी स्कूलों के बाहर ये पर्चे बांट रहे हैं। हम अभिभावकों को जागरूक करने के लिए इन्हें बांट रहे हैं... और इसमें इस बारे में कोई प्रावधान नहीं है कि 1 अप्रैल से लागू की गई फीस वृद्धि को कैसे वापस लिया जाएगा।

इससे पहले, 6 अगस्त को, आप ने सरकार पर हमला बोलते हुए स्कूल फीस विनियमन विधेयक को अभिभावक विरोधी और प्रबंधन समर्थक करार दिया था। पार्टी ने अभिभावकों के अधिकारों की रक्षा के लिए चार प्रमुख संशोधन भी प्रस्तावित किए। दिल्ली विधानसभा में आप की वरिष्ठ नेता और विपक्ष की नेता आतिशी ने बताया कि आप ने स्कूलों का ऑडिट अनिवार्य करने, अभिभावकों का निर्वाचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने, शिकायतों की आसान सीमा तय करने और समिति के फैसलों को अदालत में चुनौती देने के अधिकार संबंधी प्रस्ताव पेश किए हैं।

समाज के 50 प्रतिशत लोगों को बाहर नहीं रखा जा सकता: मोहन भागवत

नई दिल्ली, 19 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने संगठन की निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि समाज के पचास प्रतिशत लोगों को इससे बाहर नहीं रखा जा सकता। ₹तन समर्पित, मन समर्पित₹ नामक पुस्तक के विमोचन के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए, मोहन भागवत ने कहा कि जहाँ भी स्वयंसेवक हैं, महिलाएँ उनके साथ हैं। महिलाओं के लिए, राष्ट्र सेविका समिति, जो 1936 में शुरू किया गया एक महिला संगठन है, समानांतर रूप से काम करती है। कई क्षेत्रों में, महिलाएँ निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा होती हैं, उन्हें मुख्य बैठकों में

आमंत्रित किया जाता है और उनके प्रस्तावों को शामिल किया जाता है। समाज के पचास प्रतिशत लोगों को इससे बाहर नहीं रखा जा सकता।

मोहन भागवत ने कहा कि प्रक्रियाएँ राज्यों के अनुसार अलग-अलग होती हैं, लेकिन उन्होंने इसे संघ के अनुकूलनशील और विकासशील स्वभाव का प्रतीक बताया। आरएसएस प्रमुख ने राष्ट्र सेवा और पारिवारिक ज़िम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेवा कभी भी पारिवारिक कर्तव्यों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, विरोधाभासी नहीं। सामाजिक परिवर्तन पर टिप्पणी करते हुए भागवत ने कहा कि समाज में परिवर्तन तभी आएगा जब वह स्वयंसेवक के जीवन में आएगा। केवल ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। परिवर्तन के लिए अनुशासन, उदाहरण और अभ्यास की आवश्यकता होती है। सुरुचि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित स्वयंसेवक रमेश प्रकाश की जीवनी तन समर्पित, मन समर्पित₹ के लोकार्पण के अवसर पर, दो दृष्टिकोण एक साथ आए, एक संघ नेतृत्व से और दूसरा पत्रकारिता जगत से। इंडिया टुडे समूह की उपाध्यक्ष कली पुरी ने भी इस कार्यक्रम में बोलते हुए, आरएसएस के साथ जुड़ाव पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने शताब्दी दृष्टि के माध्यम से इसकी सादगी, अनुशासन और दीर्घकालिक योजना पर ध्यान दिलाया। उन्होंने इंडिया टुडे की सकल घरेलू व्यवहार (जीडीबी) पहल का भी परिचय दिया, जो नागरिक दृष्टिकोण, समावेशिता, लैंगिक समानता और अखंडता को मापने के लिए डिजाइन किया गया एक पैमाना है। पुरी ने कहा कि भ्रष्टाचार को जीवनशैली के रूप में सामान्य नहीं माना जाना चाहिए और उन्होंने संघ के नेतृत्व ढांचे में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने का आह्वान किया।संघ के शताब्दी वर्ष के करीब पहुँचने के साथ, इस शाम ने स्वतंत्र दृष्टिकोणों के बीच रचनात्मक बातचीत के लिए मंच तैयार किया, जिसमें विशेष रूप से नागरिक आचरण और भारत के भविष्य को आकार देने में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा हुई।

हिमाचल में जारी है बारिश का तांडव, कूल्लू में फटा बादल

कुल्लू, 19 अगस्त। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में भूतनाथ पुल के पास सड़क का एक हिस्सा मंगलवार को भारी बारिश और ब्यास नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। लगातार बारिश, भूस्खलन और अवरुद्ध सड़कों को देखते हुए, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा जारी एक आधिकारिक निर्देश के अनुसार, कुल्लू जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों को मंगलवार को बंद रखने का आदेश दिया गया है। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 30 और 34 (एम) के तहत उपायुक्त और डीडीएमए अध्यक्ष तोरुल एस. रवीश द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि खराब मौसम की स्थिति के बीच छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बंद करना

आवश्यक था।

आदेश में कहा गया है कि उप-मंडल अधिकारी (सी) कुल्लू और बंजार से भी उनके संबंधित क्षेत्राधिकारों में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं के संबंध में रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जिसके परिणामस्वरूप सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं, पैदल पुल बह गए हैं और अन्य नुकसान हुए हैं; और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), शिमला ने जिला कुल्लू के लिए 19 अगस्त 2025 के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसमें आगे कहा गया है कि उप-मंडल कुल्लू और बंजार में स्कूल, डाइट, आंगनवाड़ी केंद्र, कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग और फार्मेसी कॉलेज (सरकारी और निजी दोनों) सहित सभी शैक्षणिक संस्थान 19 अगस्त को बंद रहेंगे। प्राधिकारियों को प्रतिकूल मौसम की इस अवधि के दौरान छात्रों और कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच, 20 जून से हिमाचल प्रदेश में बारिश के कारण मरने वालों की संख्या 268 हो गई है।

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एचपीएसडीएमए) के अनुसार, भूस्खलन, अचानक बाढ़, डूबने और बिजली के झटके जैसी बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण 140 मौतें हुईं, जबकि मौसम के दौरान हुई सड़क दुर्घटनाओं में 128 लोगों की मौत हो गई। आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, 336 लोग घायल हुए हैं और 37 लापता हैं। कुल नुकसान 2,19,400 लाख रुपये (2,194 करोड़ रुपये) से अधिक आंका गया है, जिसमें सड़कों, जल योजनाओं, बिजली लाइनों, फसलों, घरों और पशुधन को नुकसान शामिल है।

फर विवादों में घिरे बालमुकुंद आचार्य

जयपुर। राजस्थान के विधायक बालमुकुंद आचार्य द्वारा एक शिक्षक को वंदे मातरम और भारत माता की जय का नारा लगाने से कथित तौर पर इनकार करने पर फटकार लगाने का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। यह घटना इस महीने की शुरूआत में जयपुर के वैशाली नगर स्थित एक होटल में हिंदुस्तान बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा आयोजित एक निजी सम्मान समारोह के दौरान हुई थी। शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर के स्कूलों के अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें 100 शिक्षक भी शामिल थे।

राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से कई हित सधेंगे

-ललित गर्ग

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राजग ने चंद्रपुरम पोन्नुस्वामी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित करके एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। भाजपा ने बहुत सोच-समझकर उन्हें इस प्रतिष्ठित पद का उम्मीदवार बनाया है। वे तमिल हैं, पिछड़े.भी हैं, संघ से जुड़े हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पुराने करीबी एवं साफ-सुथरी छवि वाले राजनायक हैं। भाजपा ने जब उन्हें उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया, तो यह केवल राजनीतिक गणित का परिणाम नहीं था, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने का निर्णय था, जो सादगी, ईमानदारी और सेवा की पहचान रखते हैं। उनका चयन भारतीय लोकतंत्र की व्यापकता और समावेशिता का जीवंत प्रतीक है।

अब तक भारतीय राजनीति में दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में भाजपा की जड़ें अपेक्षाकृत कमजोर और सबसे बड़ी चुनौती रहा है। उत्तर और पश्चिम भारत में लगातार सफलता के बाद पार्टी चाहती है कि दक्षिण के राज्य भी उसके प्रभाव में आएं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और वहां भाजपा के शीर्ष चेहरों में गिने जाते हैं। उनका उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनना भाजपा की यह घोषणा है कि वह दक्षिण भारत को अब हाशिए पर नहीं, बल्कि सत्ता की मुख्यधारा में लाना चाहती है। राधाकृष्णन तमिलनाडु में भाजपा के मजबूत संगठनकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं। सीपी राधाकृष्णन उत्तर भारत के भाजपा के राजनीतिक गलियारे में राधाजी के नाम से जाने जाते हैं। तमिलनाडु की कोयंबटूर लोकसभा सीट से 1998 और 1999 के आम चुनावों में भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए सीपी राधाकृष्णन ने स्कूली जीवन से ही आरएसएस का दामन थाम लिया था। हालांकि एक दौर में वे तमिल राजनीति में अन्नाद्रमुक के करीब माने जाते थे। उनके तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं से मधुर संबंध हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में डीएमके भी उनकी उम्मीदवारी का विरोध करना कठिन हो सकता है।

उपराष्ट्रपति पद पर उनका चयन ओबीसी समाज को सम्मान और सशक्तिकरण का नया संदेश देगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लगातार इस वर्ग को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया है। राधाकृष्णन ओबीसी समाज से आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्व की नीति को बल दिया है। राधाकृष्णन का चयन इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे भाजपा को देशभर में ओबीसी समाज का और अधिक समर्थन मिल सकता है। इससे भाजपा की सामाजिक आधारशिला और मजबूत होगी। भाजपा अपने निर्णयों से हमेशा करिश्मा घटित करती रही है, अपने चतुराई का परिचय देती रही है, सी.पी. राधाकृष्णन का चयन भाजपा की इसी रणनीतिक चतुराई का ही बड़ा उदाहरण है। इससे पार्टी ने एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं, दक्षिण भारत में पैठ बनाना, ओबीसी समाज को साधना, विपक्ष को असहज करना और साफ-सुथरी राजनीति का संदेश देना। यह तय है कि उपराष्ट्रपति के रूप में वे न केवल भाजपा बल्कि पूरे देश के लिए सफल नायक सिद्ध होंगे।

यह एक संयोग ही कहा जायेगा कि देश के शीर्ष दो पदों पर विराजमान हस्तियों का नाता झारखंड से रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर चुने जाने से पहले झारखंड की राज्यपाल रहीं और देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे सीपी राधाकृष्णन भी इस राज्य के राज्यपाल रहे हैं। इन दिनों वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। वे झारखंड के साथ ही तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का भी अतिरिक्त कार्यभार संभाल चुके हैं। मोदी-शाह का उन पर बड़ा भरोसा रहा है, क्योंकि उन्हें एक समय एक साथ तीन-तीन राज्यों के राज्यपालों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अभी उपराष्ट्रपति पद पर ऐसे ही भरोसेमंद, निष्ठाशील और जिम्मेदार व्यक्ति की तलाश थी। उपराष्ट्रपति भारत का प्रतिनिधित्व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी करते हैं। राधाकृष्णन का अध्ययनशील स्वभाव, शालीन व्यवहार और संतुलित दृष्टिकोण भारत की सॉफ्ट पावर को और मजबूत करेगा। उनका व्यक्तित्व भारत की परंपरा, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रभावी प्रतिनिधित्व करेगा।

भारतीय राजनीति में उपराष्ट्रपति केवल राज्यसभा के सभापति ही नहीं होते, बल्कि सर्वदलीय संवाद और लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षक भी होते हैं। राधाकृष्णन का सौम्य व्यक्तित्व, धैर्य और संवाद क्षमता उन्हें इस भूमिका में और अधिक सफल बनाएगी। विपक्षी दलों के लिए भी उनकी छवि स्वीकार्य है, जो संसद की कार्यवाही को संतुलित बनाए रखने में सहायक होगी। सी.पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद पर चयन भारतीय लोकतंत्र की उस विशेषता को रेखांकित करता है, जिसमें सादगी और सेवा जैसे गुण सर्वोपरि माने जाते हैं। वे न केवल दक्षिण भारत और ओबीसी समाज का सम्मान हैं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए आशा और संतुलन का चेहरा हैं। निश्चित रूप से वे उपराष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हुए आने वाले वर्षों में एक आदर्श और प्रेरक नायक सिद्ध होंगे। जैसाकि पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन हमारे आदर्श नायक हैं।

वैसे भी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और वर्तमान उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन के बीच कुछ उल्लेखनीय समानताएं दिखाई देती हैं। भले ही दोनों की पृष्ठभूमि अलग हो, एक महान दार्शनिक, शिक्षक और राजनयिक रहे, तो दूसरे राजनीति और सामाजिक जीवन से जुड़े हैं, फिर भी उनके व्यक्तित्व में कई साझा बिंदु हैं जैसे दोनों का नाम ह्यराधाकृष्णनह्व है, जो भारतीय संस्कृति में श्रीकृष्ण से जुड़ी भक्ति, ज्ञान और नीति का प्रतीक है। दोनों ने अपने-अपने क्षेत्र में भारतीय परंपरा और मूल्यों को प्रतिष्ठित किया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन को विश्वपटल पर प्रतिष्ठा दिलाई और शिक्षा जगत को नई दिशा दी। सी.पी. राधाकृष्णन ने राजनीति और सार्वजनिक जीवन में सेवा, ईमानदारी और पारदर्शिता के लिए ख्याति अर्जित की। डॉ. राधाकृष्णन जीवन भर शिक्षक रहे और शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मूल आधार माना। सी.पी. राधाकृष्णन का राजनीतिक जीवन भी शिक्षा, नैतिकता और संस्कारों की धरती पर खड़ा है। वे स्वच्छ छवि और सादगी के लिए जाने जाते हैं। दोनों का जीवन साधारण परंतु ऊँचे आदर्शों से जुड़ा रहा। किसी प्रकार का दुराचार या विवाद इन दोनों के जीवन में नहीं जुड़ा, जो आज के राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में बहुत दुर्लभ है। डॉ. राधाकृष्णन को दार्शनिक-राजनेता के रूप में विश्वभर में सम्मान मिला। सी.पी. राधाकृष्णन को जनता का भरोसा, सरल व्यवहार और समाज में उनकी स्वीकार्यता ने एक सम्मानित नेता बनाया। डॉ. राधाकृष्णन ने भारतीय संस्कृति के सार्वभौमिक दृष्टिकोण को स्थापित किया। सी.पी. राधाकृष्णन भी राजनीति में समन्वयकारी, सर्वसमावेशी और राष्ट्रहित की सोच को आगे बढ़ाते हैं। दोनों ही भारतीय मूल्यों, ईमानदारी और राष्ट्र-सेवा के प्रतीक माने जा सकते हैं।

राजनीति में सी.पी. राधाकृष्णन की पहचान एक स्वच्छ और सादगीपूर्ण नेता की है। वे कभी भी विवादास्पद राजनीति का हिस्सा नहीं बने, बल्कि अपने संगठन कौशल, जनता से जुड़ाव और सेवाभाव से अपनी अलग जगह बनाई। सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े रहने के कारण उनका व्यक्तित्व सिर्फ राजनीतिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। यही कारण है कि वे उपराष्ट्रपति पद की गरिमा और जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह सक्षम होंगे। भाजपा ने राधाकृष्णन को मैदान में उतारकर विपक्ष के लिए कठिनाई खड़ी कर दी है। उनकी सादगीपूर्ण और निर्दोष छवि के कारण विपक्ष उनके खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने में हिचकेगा। साथ ही, वे किसी विवाद या कट्टरपंथी राजनीति से दूर रहे हैं, जिससे उनकी स्वीकार्यता सर्वदलीय स्तर पर अधिक है। वे न केवल चुनावी राजनीति में सक्रिय रहे, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक गतिविधियों से भी जुड़े रहे हैं। इससे भाजपा को यह छवि और प्रखर होगी कि वह स्वच्छ और ईमानदार नेतृत्व को प्राथमिकता देता है। वे अनुभवी और सफल उपराष्ट्रपति साबित होंगे, इस प्रश्न का उत्तर निम्न पंक्तियों में समाया है कि वे पक्षपात से दूर और सर्वदलीय संवाद को बढ़ावा देने वाले विरल व्यक्तित्व माने जाते हैं। भाजपा संगठन में लंबे अनुभव के कारण वे राजनीतिक रुख को भी भली-भांति समझते हैं। इससे जनता और सभी दलों में उनकी विश्वसनीयता बनी रहेगी। दक्षिण भारत का केन्द्र में समुचित प्रतिनिधित्व होने से वे राष्ट्रीय राजनीति में समावेशिता का चेहरा बनेंगे।

मेरिका : ट्रंप की हरकतें है अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने वाली

अशोक भाटिया

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में इस साल 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यभाल संभाला था। राष्ट्रपति बनते ही ट्रंप ने अमेरिका फर्स्ट का नारा दिया और कई चौंकाने वाले फैसले लिए। उनके प्रमुख फैसलों में दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाना, अमेरिका के अंदर कंपनियों का प्रोडक्शन शुरू करना, प्रवासियों को निकालना आदि शामिल रहे। उनके इन फैसलों से पूरी दुनिया में उथल-पुथल देखने को मिली। अमेरिका भी अछूता नहीं रहा। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि यह शुरूआती पेन है। इसका दूरगामी असर होगा और अमेरिका में खुशहाली लौटेगी। लेकिन अब तस्वीर ठीक उलट दिखाई देने लगी है। ट्रंप के फैसलों से अमेरिका में मंदी की आशंका जताई जाने लगी है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त होनी शुरू हो गई है। इससे अमेरिका में बेरोजगारी बढ़ने का खतरा होता जा रहा है।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल आयात करने के लिए 50 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। लेकिन पूरी दुनिया जानती है कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति का दोहरापन है। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देश खुद रूस से बड़ी मात्रा में तेल, गैस और उर्वरक खरीदते हैं। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की एक खास रिपोर्ट में ट्रंप के इस दावे का खुलासा हुआ है। भारत ने यह भी उजागर कर दिया है कि अमेरिका रूस से क्या खरीदता है। भारत ने ट्रम्प के दोहरेपन के आगे झुके बिना 'जैसा है' जवाब देने का फैसला किया है। मूल रूप से, ट्रम्प ब्रिक्स देशों से नाखुश हैं। ब्रिक्स देशों ने अमेरिकी मुद्रा को चुनौती दी है। ट्रंप को डर है कि अगर वह अपनी मुद्रा का इस्तेमाल करते हैं और डॉलर में व्यापार बंद कर देते हैं तो अमेरिकी मुद्रा कमजोर हो सकती है, यही कारण है कि उन्होंने ब्रिक्स देशों को अपनी यूरो जैसी मुद्रा का इस्तेमाल नहीं करने की धमकी दी है। वह ब्राजील, रूस, चीन और भारत को एक साथ नहीं लाने की कोशिश कर रहे हैं।लेकिन ट्रंप के टैरिफ वॉर ने अब इन देशों के साथ आने की संभावना बढ़ा दी है। चीन और भारत ने ट्रंप के खिलाफ स्टैंड ले लिया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही चीन का दौरा करने वाले हैं। इसलिए अब ट्रंप सतर्क हैं। उन्होंने अब चीन पर लगाए गए आयात शुल्क को 90 दिनों के लिए निलंबित करने के अपने फैसले की घोषणा की है। कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार पर कई मुद्दों पर भिन्न हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका अपने कृषि उत्पादों को भारत भेजना चाहता है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि अमेरिका की गायों को मांस खिलाया जाता है। इन गायों के दूध उत्पादों और डेयरी उत्पादों को खाने का मुद्दा भारत के लिए एक भावनात्मक मुद्दा है। टैरिफ वॉर के दौरान भारत ने बड़ी कार्रवाई की है। भारत ने नौसेना के लिए अमेरिका स्थित बोइंग से छह पी-81 पोसाइडन विमान खरीदने का सौदा किया था। ये विमान समुद्र में निगरानी के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत के विशाल समुद्री क्षेत्र के कारण, नौसेना को ऐसे कई विमानों की आवश्यकता है। ये बहुत ही आधुनिक और उन्नत विमान हैं और अरब सागर से हिंद महासागर तक चीन के बढ़ते प्रभाव पर नजर रखने के लिए इनकी बहुत जरूरत है। रक्षा वेबसाइट आईडीआरडब्ल्यू की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 3 अगस्त को सौदे को निलंबित करने का फैसला किया। नौसेना के पास ऐसे बारह विमान हैं। भारत ने इसे 2009 में बोइंग से खरीदा था। इसके बाद भारत अमेरिका से इन विमानों को खरीदने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय खरीदार बन गया था। आठ विमानों के लिए पहला अनुबंध 2008 में हस्ताक्षरित किया गया था। उस समय इसकी कीमत 2.2 अरब डॉलर यानी करीब 19,000 करोड़ रुपये थी। 2016 में भारत ने ऐसे चार और विमान खरीदे। इस पर करीब 8,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

मई 2021 में अमेरिका ने भारत को ऐसे छह विमानों की बिक्री को मंजूरी दी, जिनकी कीमत लगभग 2.42 बिलियन डॉलर (लगभग 21,000 करोड़ रुपये) है। हालांकि, बाद में बढ़ती लागत के कारण सौदा रोक दिया गया था। जुलाई 2025 तक, इस सौदे का मूल्य 3.6 बिलियन डॉलर या लगभग 31,500 करोड़ रुपये था। फिर भी, भारत सरकार को इस साल समझौते की फिर से पुष्टि करनी थी, जो हिंद महासागर में चीन की नौसैनिक गतिविधियों की बारीकी से निगरानी के लिए एक बहुत प्रभावी हथियार हो सकता है। लेकिन भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ युद्ध के कारण इस सौदे को रोक दिया है, और सौदे का पूरी तरह से रद्द होना बोइंग के लिए एक बड़ा झटका होगा। बोइंग के भारत में करीब 5,000 कर्मचारी हैं। यह 1.7 अरब डॉलर या करीब 15,000 करोड़ रुपये का कारोबार करता है। सौदे के निलंबन से भारतीय नौसेना की ताकत प्रभावित हो सकती है।

इन विमानों का उपयोग भारत के क्षेत्रीय जल में सैकड़ों नौसैनिक जहाजों और 20,000 व्यापारी जहाजों की निगरानी के लिए किया जाता है। हालांकि, भारत अपने स्वयं के निगरानी विमान का निर्माण कर रहा है। टैरिफ पर भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच संबंध बिगड़ रहे हैं। कई दौर की वार्ता के बावजूद, ट्रम्प ने एकतरफा रूप से भारत पर 50% टैरिफ लगाने का फैसला किया। कुछ समय के लिए भारत और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करने वाले राष्ट्रपति ट्रम्प इतने कठोर कैसे हो गए? उन्होंने 50 प्रतिशत टैरिफ क्यों लगाया, और वास्तव में अमेरिका क्या चाहता है, और सीधा जवाब यह है कि अमेरिका भारत को अपना मांडलिक बनाना चाहता है; लेकिन भारत ऐसा नहीं होने दे रहा है। भारत अपने निर्णय लेने के रवैये पर कायम है। यही बात अमेरिका को पसंद नहीं है। इसीलिए अमेरिका अब भारत पर दबाव बनाने के लिए टैरिफ हाइक को अपना सबसे बड़ा हथियार बना रहा है।

भारत बिना कुछ कहे अमेरिका को जवाब दे रहा है। यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस और रूस और यूक्रेन के मुद्दे पर भारत जिस तरह से तटस्थ रहता है, उसे अमेरिका पसंद नहीं करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका चाहता है कि भारत जैसा कहता है वैसा ही करे। संयुक्त राज्य अमेरिका का मानना है कि भारत द्वारा तेल की खरीद ने रूस को युद्ध के लिए पैसा दिया। इसलिए रूस यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। चीन भी रूस से तेल खरीद रहा है। भारत रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है। फरवरी 2022 में यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने से पहले भारत प्रतिदिन लगभग 68,000 बैरल कच्चा तेल खरीद रहा था। मई 2023 में, यह बढ़कर 2.15 मिलियन पिप्स हो गया। आज भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 40 प्रतिशत रूस से खरीद रहा है। ट्रंप भारत के इस कदम को युद्धग्रस्त रूस के लिए आर्थिक मदद के तौर पर देखते हैं.

चीन से बढ़ते खतरे के मद्देनजर, भारत को अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करने और पश्चिमी सैन्य गठबंधन के करीब जाने के बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका चाहता है कि भारत पारंपरिक सहयोगियों रूस और ब्रिक्स देशों को छोड़कर पश्चिमी समूह में शामिल हो जाए। अमेरिका लंबे समय से भारत को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहा है।चीन और रूस जैसे प्रमुख देश शामिल हैं, और संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया में पश्चिमी प्रभाव को कम करना चाहता है। भारत यूक्रेन की तरह 'इस्तेमाल' होना चाहता है। वहीं, अमेरिका चीन के खिलाफ भारत का इस्तेमाल करना चाहता है। अमेरिका भारत का उसी तरह इस्तेमाल करना चाहता है जैसे उसने रूस के खिलाफ यूक्रेन का किया था। अमेरिका भारत की सामरिक स्वायत्तता से नाखुश है और यही ट्रंप की वास्तविक समस्या है। भारत ने अमेरिका के कदम को 'अन्यायपूर्ण और अतार्किक' करार दिया है। अमेरिका अपनी शर्तों पर भारत के साथ व्यापार समझौता करना चाहता है। वहीं भारत अपने छोटे किसानों के फायदे को ध्यान में रखते हुए अमेरिका से मनमाने व्यापारिक सौदे मानने को तैयार नहीं है। भारत नहीं चाहता है कि इस तरह का कोई ट्रेड डील भारत के छोटे किसानों और कारोबारियों को नुकसान पहुंचाए। ट्रंप पद संभालने के बाद से ही रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा लगता है उन्होंने रूस को सबक सिखाने के लिए भारत को हथियार बना लिया है।

विपक्ष की चरित्र हनन और संवैधानिक संस्थाओं पर हमले वाली सियासत

-अजय कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जिन्हें उनके शुभचिंतक अक्सर भारत के पुनर्जनन के अडिग रचनाकार के रूप में चित्रित करते हैं, उन्होंने जब से सत्ता संभाली है, वह विपक्ष की तमाम साजिशों के ह्यतूफानह्व के केंद्र में खड़े हैं। उनके आलोचक, मुख्य रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और उसके सहयोगी, ने उनकी छवि को धूमिल करने के लिए आरोपों का एक जाल बुना है, जो उन्हें भ्रष्टाचार-मुक्त और राष्ट्र के प्रति समर्पित नेता के रूप में कमजोर करने की कोशिश करता है। यह केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता नहीं है; कुछ इसे एक सुनियोजित साजिश के रूप में देखते हैं, जिसका उद्देश्य संवैधानिक संस्थाओं को कीचड़ में घसीटकर और उन्हें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कठपुतली बताकर मोदी में जनता का विश्वास तोड़ना है। विपक्ष की रणनीति, जो चुनावी असफलताओं के बाद हताशा से भरी है, में लगातार आरोप लगाना शामिल है, जो मोदी को लोकतंत्र के स्तंभों, जैसे चुनाव आयोग (ईसी) से लेकर सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों तक, का हेरफेर करने वाला बताते हैं।

इस कथित साजिश की जड़ें 2014, 2019 और 2024 में मोदी की भारी जीत तक जाती हैं, जिन्होंने विपक्ष को हक्का-बक्का कर दिया। विकास और राष्ट्रवाद पर उनकी अपील का मुकाबला करने में असमर्थ, विपक्ष ने मोदी के चरित्र हनन की रणनीति अपनाई। राफेल सौदे का विवाद इसका उदाहरण है। राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं ने मोदी पर पक्षपात का आरोप लगाया, दावा किया कि विमान खरीद में उनके उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचाया गया। अदालतों ने इन दावों को खारिज कर दिया, लेकिन यह साजिश महीनों तक सोशल मीडिया और विदेशी रिपोर्टों के जरिए गूंजती रही। राहुल गांधी इस साजिश के अगुआ थे। इसके बाद विपक्ष, खासकर राहुल गांधी ने 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च की अदानी समूह पर रिपोर्ट का सहारा लिया, जिसमें स्टॉक हेरफेर का आरोप लगाया गया और मोदी सरकार को जोड़ा गया, जिससे संसद में हंगामा हुआ। विपक्षी नेताओं ने जांच की मांग की, यह संकेत देते हुए कि मोदी अपने मित्रों को बचा रहे हैं, जबकि प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ एजेंसियों को हथियार बनाया जा रहा है। भाजपा प्रवक्ताओं ने इसका जवाब दिया कि यह एक विदेशी-प्रायोजित स्मीयर कैंपेन है, जिसमें सेबी की अध्यक्ष मधबी पुरी बुच ने आरोपों को निराधार और चरित्र हनन का प्रयास बताया। फिर भी, विपक्ष ने इसे व्यापक साजिश के साथ जोड़कर मोदी की स्वच्छ छवि पर हमला जारी रखा।

इस रणनीति का केंद्र संवैधानिक संस्थाओं पर हमला है। विपक्ष ने बार-बार ईडी और सीबीआई को पिंजरे का तोता करार दिया, यह आरोप लगाते हुए कि वे मोदी के नियंत्रण में हैं। 2023 में, 14 विपक्षी दलों ने इन एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें मनीष सिसोदिया और हेमंत सोरेन जैसे नेताओं की गिरफ्तारी को बदले की राजनीति बताया। उन्होंने दावा किया कि 95 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं पर हैं, जो संघवाद को कमजोर करते हैं। मोदी ने इसे भ्रष्टों का एकजुट होना कहकर खारिज किया, लेकिन कांग्रेस जैसे आलोचकों ने इसे लोकतंत्र का व्यवस्थित क्षरण बताया। न्यायपालिका भी अछूती नहीं रही; विपक्षी आवाजों ने सरकार के पक्ष में फैसलों पर सवाल उठाए, जैसे मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) को बरकरार रखने से लेकर एजेंसी दुरुपयोग की याचिकाओं पर सुनवाई में देरी तक। सुप्रीम कोर्ट को भी घसीटा गया, यह आरोप लगाकर कि यह कार्यपालिका से प्रभावित है, हालांकि कोर्ट ने ऐसे दावों को राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज किया।

2014 में मोदी को मिली शानदार जीत के बाद चुनाव आयोग को विपक्ष के सबसे तीखे हमले झेलने पड़े हैं। 2019 के चुनावों के बाद, विपक्षी दलों ने ईवीएम में छेड़छाड़ का आरोप लगाया, कागजी मतपत्रों की वापसी की मांग की। राहुल गांधी और सहयोगियों ने 2024 के चुनावों में इसे और बढ़ाया, यह संकेत देते हुए कि मोदी की जीत में हेराफेरी हुई। अब बिहार चुनाव से पूर्व जब चुनाव आयोग एसआईआर करा रहा है तो उस पर वोटों की चोरी करने का आरोप लगाया जा रहा है, जिसको लेकर राहुल गांधी की टीम सारी हदें पार करती जा रही है। मोदी विरोधी राजनीति के चलते ही विपक्ष ने 2023 में नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार किया, इसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, जो एक आदिवासी महिला हैं, का अपमान बताया, जबकि इससे पहले वे उनकी नियुक्ति का अपमान कर चुके थे। अमित शाह जैसे भाजपा नेताओं ने इसे पाखंड बताया, जो संस्थानों को बदनाम करने और मोदी की वैश्विक छवि को धूमिल करने की व्यापक साजिश का हिस्सा है। विदेशी तत्व आग में घी डालते हैं। 2023 में बीबीसी की 2002 के गुजरात दंगों पर डॉक्यूमेंट्री ने पुराने जख्मों को कुरेदा, जिसके खिलाफ भाजपा शासित राज्यों ने इसे अंतरराष्ट्रीय साजिश बताकर प्रस्ताव पारित किए। ऐसी रिपोर्टों पर विपक्ष की खुशी ने केवल जॉर्ज सोरोस जैसे समूहों के साथ मिलीभगत की धारणा को मजबूत किया, जो भारत को कमजोर करने की कोशिश में हैं।

यह साजिश, जैसा कि भाजपा इसे देखती है, सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक फैली है। राहुल गांधी के 2023-24 में अमेरिका में दिए भाषणों ने मोदी को लोकतंत्र के लिए खतरा बताकर वैश्विक तानाशाहों से तुलना की। घरेलू स्तर पर, विपक्ष का अघोषित आपातकाल का तंज मोदी के 11 साल के शासन पर गिरफ्तारियों और मीडिया पर अंकुश को उजागर करता है, लेकिन भाजपा आंकड़ों के साथ जवाब देती है। एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती हैं, और सजा अदालतों में बरकरार रहती है। विडंबना यह है कि जहां मोदी आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा दे रहे हैं, वहीं विपक्ष विदेशों में, जैसे विदेशी राजदूतों से मिलकर मोदी-विरोधी साजिश को अंजाम देने में लगे हैं, जिसे राष्ट्रीय हितों के साथ विपक्ष का विश्वासघात माना जाता है। इसका परिणाम गहरा है। मोदी की स्वीकृति रेटिंग 2030 तक आर्थिक विकास के अनुमानों के साथ ऊंची बनी हुई है, लेकिन निरंतर शोर संस्थागत विश्वास को कमजोर करता है। आलोचकों का तर्क है कि यह विपक्षी रणनीति उलटी पड़ रही है, जो मतदाताओं को इससे दूर कर रही है, जो इसे हताशा का परिणाम मानते हैं। फिर भी, ध्रुवीकृत भारत में, यह विभाजन को बनाए रखता है। जैसा कि मोदी ने अपने 2025 के स्वतंत्रता दिवस भाषण में संकेत दिया, जीएसटी में कमी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए, विपक्ष का व्यक्तिगत हमलों पर ध्यान उन्हें और अलग-थलग कर सकता है। क्या यह साजिश इस दिग्गज को गिरा देगी, या विपक्ष की हताशा को उजागर करेगी? दिल्ली के सत्ता के खेल में, सत्य अक्सर बयानबाजी की परतों के नीचे दब जाता है, लेकिन एक बात स्पष्ट है मोदी की छवि के लिए यह लड़ाई भारत की आत्मा के लिए एक छद्म युद्ध है, जिसमें संवैधानिक संरक्षक क्रॉसफायर में फंस गए हैं।

विश्व फोटोग्राफी दिवस : प्रकाश और छायाओं की अनंत यात्रा

फोटोग्राफी की प्रारंभिक यात्राः

फोटोग्राफी केवल तस्वीरें लेना नहीं है, यह समय को कैद करने की अद्भुत कला है। विश्व फोटोग्राफी दिवस प्रत्येक वर्ष 19 अगस्त को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य फोटोग्राफी के महत्व को रेखांकित करना और उसके माध्यम से समाज, संस्कृति तथा इतिहास के संरक्षण को स्मरण करना है। 1837 में फ्रांस के वैज्ञानिक लुई दागेर और जोसेफ नाइसफोर निएप्स ने मिलकर आधुनिक फोटोग्राफी की नींव रखी। तभी से यह कला सिर्फ. चित्रांकन नहीं, बल्कि भावनाओं, संवेदनाओं और यथार्थ का दर्पण बन गई। इस दिवस पर हम स्मरण करते हैं कि एक तस्वीर केवल दृश्य नहीं दिखाती, बल्कि समय को थामकर आने वाली पीढ़ियों तक संदेश पहुँचाती है। यही कारण है कि यह दिन उत्सव और प्रेरणा का प्रतीक है।

मानव की सबसे बड़ी जिज्ञासा रही है । क्षण को सहेज लेना। इसी जिज्ञासा ने फोटोग्राफी का उदय किया। फोटोग्राफी की वास्तविक खोज 19वीं शताब्दी में हुई। सन 1826 में फ्रांस के वैज्ञानिक जोसेफ निसेफोर नाइप्स ने पहली स्थायी तस्वीर खींची। इसके बाद लुई डग्युर ने डग्युरोटाइप पद्धति विकसित की, जिसने फोटोग्राफी को लोकप्रिय बनाया। धीरे-धीरे काले-सफेद छायाचित्रों से लेकर रंगीन छायाचित्रों और फिर डिजिटल युग से एआई तक यह कला अनेक पड़ावों से गुजर रही है।

फोटोग्राफी क्या है?

फोटोग्राफी केवल तकनीक नहीं, बल्कि संवेदनाओं का विज्ञान है। इसमें प्रकाश और छाया का खेल है जिसमें लेंस, कैमरा और प्रकाश-संवेदी सतह मिलकर किसी क्षण को स्थायी रूप प्रदान करते हैं। दार्शनिक ओशो ने कहा था ₹फोटोग्राफर केवल कैमरे से नहीं, अपनी आँखों और आत्मा का इस्तेमाल करके तस्वीरें खींचता है।₹

फोटोग्राफी का महत्व

इतिहास के पन्नों को जीवित रखने का साधन। कला, संस्कृति, समाज और राजनीति का दस्तावेज। पत्रकारिता में सच्चाई का प्रमाण। पर्यटन, फैशन, विज्ञान, चिकित्सा और खगोल जैसे क्षेत्रों में अनुपम योगदान। व्यक्तिगत जीवन में स्मृतियों का खजाना।

सोचिए, यदि समाचार पत्र बिना तस्वीरों के हो तो शब्द अकेले सूखे से प्रतीत होंगे। चित्र समाचार को न केवल जीवंत बनाते हैं बल्कि उसे विश्वसनीय और प्रभावशाली भी करते हैं। किसी ने कहा था कि बिना फोटो के समाचार पत्र किसी विधवा के समान लगते हैं।

आधुनिक तकनीक और फोटोग्राफी

आज का दौर तकनीकी क्रांति का है। डिजिटल कैमरे ने रील और फिल्म की सीमा को तोड़ दिया। ऊछफ और मिररलेस कैमरे ने पेशेवर फोटोग्राफी को नई ऊँचाई दी। ड्रोन कैमरे ने आकाशीय दृष्टि से धरती को दिखाने का अद्भुत सामर्थ्य

दिया। 360 डिग्री कैमरे और वीआर फोटोग्राफी ने दर्शक को तस्वीर के भीतर जीने का अवसर दिया। अब एआई आधारित इमेज प्रोसेसिंग और मशीन लर्निंग तस्वीरों को और भी यथार्थवादी बना रहे हैं।

मोबाइल कैमरा और जीवनशैली

कभी तस्वीर खींचने के लिए भारी कैमरों की आवश्यकता होती थी। आज हर जेब में कैमरा है। मोबाइल ने फोटोग्राफी को लोकतांत्रिक बना दिया। अब हर व्यक्ति फोटो पत्रकार है, हर पल तस्वीरों में दर्ज हो रहा है। परंतु, इसका दूसरा पहलू यह है कि पेशेवर फोटोग्राफी के मूल्य को झटका लगा है। मोबाइल ने जीवन को सुविधाजनक बनाया लेकिन पारंपरिक कैमरों की आत्मा को भी कहीं न कहीं छीन लिया।

कैमरों के प्रकार और उनका अंतर

स्टिल कैमरा : पारंपरिक कैमरा जिसमें फिल्म रोल (रील) प्रयोग होता था। स्मृति और धैर्य से जुड़ा।

डिजिटल कैमरा : इसमें फिल्म की जगह मेमोरी कार्ड। तुरंत परिणाम और अनेक सुविधाएँ।

ऊछफ कैमरा : उच्च गुणवत्ता, लेंस बदलने की क्षमता, पेशेवरों का प्रिय।

मिररलेस कैमरा : डीएसएलआर से हल्का, तेज और नई पीढ़ी का उपकरण।

मोबाइल कैमरा : सुविधाजनक, परंतु सीमित नियंत्रण और कलात्मक दृष्टि का अभाव।

हर प्रकार के कैमरे में दृष्टिकोण और परिणाम अलग होते हैं। जैसे– तेल चित्र और स्केच एक ही वस्तु को अलग-अलग भाव देते हैं, वैसे ही कैमरों का भेद भी दृष्टि बदल देता है।

फोटोग्राफी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक)

एआई के आने के बाद तस्वीरें खींचना और उन्हें संपादित करना अत्यंत सरल हो गया है। अब मशीनें स्वतः फ्रेमिंग, कलर बैलेंस, फोकस और एडिटिंग कर रही हैं। अकइमेज जेनरेशन ने कलाकारों के लिए चुनौती भी खड़ी की है, क्योंकि अब असली और कृत्रिम तस्वीर का फर्क समझना कठिन हो गया है। पत्रकारिता और सत्य के क्षेत्र में यह एक गंभीर विमर्श का विषय है।

भारत के विख्यात फोटोग्राफर

भारत की फोटोग्राफी यात्रा कई नक्षत्रों से आलोकित है।

होमाई व्यरावाला : भारत की पहली महिला प्रेस फोटोग्राफर।

रघु राय : विश्व प्रसिद्ध फोटोग्राफर, मैग्नम फोटो एजेंसी से जुड़े।

डब्बू रत्नानी : फैशन और फिल्म जगत की नामचीन।

सुदीप भट्टाचार्य, अतुल कसबेकर, दीपक सैलोमन आदि ने भारत को वैश्विक पहचान दिलाई।

पुरस्कार और मान्यताएँ

भारत में कई फोटोग्राफरों को राष्ट्रीय पुरस्कार और पद्म सम्मान मिले। रघु राय को पद्मश्री से नवाजा गया। कई को नेशनल ज्योग्राफिक जैसी अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में स्थान मिला। यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि फोटोग्राफी के सांस्कृतिक महत्व की स्वीकृति है।

कहने का आशय यह है कि फोटोग्राफी केवल कला नहीं, बल्कि एक सजीव इतिहास है। यह यादों को जीवित रखने का सबसे सुंदर माध्यम है। विश्व फोटोग्राफी दिवस पर हमें यह स्मरण करना चाहिए कि कैमरा केवल यंत्र नहीं, बल्कि आत्मा का दर्पण है। समय बीत जाता है, स्मृतियाँ धुंधली पड़ जाती हैं, पर एक तस्वीर हमेशा अमर रहती है।

-डॉ. सुनील कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

ओप्पो ने भारत में लॉन्च की के13 टर्बो सीरीज 5जी

गया : ओप्पो इंडिया ने भारत का पहला बिल्ट-इन कूलिंग फैन वाला स्मार्टफोन सीरीज झ्र ओप्पो के13 टर्बो प्रो 5जी और ओप्पो के13 टर्बो 5जी लॉन्च किया है। गेमिंग और हेवी मल्टीटास्किंग के लिए डिजाइन किए गए इन फोन्स में 7,000 एमएएच बैटरी, 80वॉट सुपरवूक फास्ट चार्जिंग, 120एचजेड ई-स्पोर्ट्स लेवल डिस्प्ले और शक्तिशाली प्रोसेसर दिया गया है। कीमतें 27,999 रुपए से शुरू होकर 39,999 रुपए तक हैं। प्री-बुकिंग 11 अगस्त से, जबकि के13 टर्बो प्रो 5जी की सेल 15 अगस्त और के13 टर्बो 5जी की सेल 18 अगस्त से फ्लिपकार्ट, ओप्पो ई-स्टोर और रिटेल स्टोर्स पर होगी। पहले दिन 3,000 रुपए इंस्टेंट डिस्काउंट, एक्सचेंज बोनस और 9 महीने की नो-कॉस्ट इएमआई का ऑफर मिलेगा।

मुंबई में भारी बारिश के बीच फंसी मोनो रेल, यात्रियों को क्रेन से उतारने की कोशिश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में मंगलवार सुबह से भारी बारिश हो रही है। इसका असर सड़कों और रेल लाइनों पर पड़ा है। आज लोकल ट्रेनें पूरी तरह से बाधित रहीं। इसके बाद मोनोरेल भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। भक्ति पार्क और मैसूर कॉलोनी के बीच चलने वाली मोनोरेल अचानक बंद हो गई। मोनोरेल पिछले एक घंटे से वहीं रुकी हुई थी। ट्रेन में यात्रियों की काफी भीड़ थी। अचानक तकनीकी कारणों से मोनोरेल रुक गई। यह मोनोरेल एक तरफ झुक गई। मोनोरेल में सैकड़ों यात्री सवार हैं। लेकिन अंदर का एसी भी एक घंटे से बंद है। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस भयावह स्थिति में अब दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच गई है।

यह मोनोरेल 6:15 बजे से रुकी हुई है। मोनोरेल रुकने के बाद उसका एसी भी बंद हो गया। काफी देर बाद भी मोनोरेल शुरू न होने से उसमें सवार यात्री परेशान रहे। इसी दौरान वहां एक और मोनोरेल आ गई। चर्चा थी कि यह मोनोरेल फंसी हुई गाड़ी को खींच कर ले जाएगी। लेकिन ऐसा संभव नहीं हो सका। इस दौरान सवा घंटे से ज्यादा समय बीत चुका है। इससे लोग डरे हुए हैं। इस मोनोरेल के दरवाजे बंद हैं और एसी बंद है। इससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है।

यात्री डरे हुए हैं क्योंकि गाड़ी नहीं चल रही है। कई यात्री अंदर से चिल्ला रहे हैं कि हमें बाहर निकालो। कई जोर-जोर से दरवाजा पीट रहे हैं। वे हमें बाहर निकालने की अपील कर रहे हैं। इस भयावह स्थिति में दमकल विभाग मौके पर पहुंच गया है। संभव है कि दमकल विभाग क्रेन की मदद से लोगों को बाहर निकाल पाए। दमकल विभाग मोनोरेल का आपातकालीन दरवाजा तोड़कर बचाव अभियान चलाएगा।

इस बीच, गाड़ी की बिजली गुल है। इससे नागरिकों को वेंटिलेशन में दिक्कत होने की संभावना है।

प्रशासन ने कहा, मैसूर कॉलोनी स्टेशन के पास एक मोनोरेल ट्रेन में बिजली सप्लाई में मामूली समस्या आ गई है। हमारी संचालन और रखरखाव टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं और इसे जल्द से जल्द ठीक करने के लिए काम कर रही हैं। फिलहाल, वडाला और चेंबूर के बीच सेवाएं एक ही रूट पर सुचारू रूप से चल रही हैं। हम आपके धैर्य के लिए तहे दिल से आपका धन्यवाद करते हैं और आपको विश्वास दिलाते हैं कि आपकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। निश्चिंत रहें, जल्द से जल्द सामान्य सेवाएं बहाल कर दी जाएंगी।

राजपूताना एकता फाउंडेशन की बोरीवली शाखा के पदाधिकारियों की घोषणा

लाल शेखर सिंह/मुंबई (उत्तरशक्ति)। संगठन में ही शक्ति है-इसे मूल मंत्र मानकर राजपूताना एकता फाउंडेशन विगत कई वर्षों से सामाजिक एकता के साथ-साथ समाज में व्याप्त बुराइयों और रूढ़िवादिता के प्रति जागरूकता अभियान चला कर उन्हें समाप्त करने का समाजोपयोगी कार्य कर रहा है। राजपूताना एकता फाउंडेशन के जनहित में किये जा रहे कार्यों को देखकर भारी संख्या में लोग जुड़ते जा रहे हैं, इसे ध्यान में रखकर अपने सेवा और संगठन कार्यों को सुगमता से विस्तार देने के उद्देश्य से राजपूताना एकता फाउंडेशन द्वारा अपनी बोरीवली शाखा का नवगठन किया गया। बोरीवली शाखा में सुनील सिंह को अध्यक्ष, तेजबहादुर सिंह को उपाध्यक्ष, नागेन्द्रराज सिंह को सचिव पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गयी। राजपूताना एकता फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ओम नारायण सिंह और उपाध्यक्ष प्रतीक सिंह ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों का सत्कार करते हुए शुभकामनाएं दी। राजपूताना एकता फाउंडेशन की बोरीवली शाखा के गठन में उपाध्यक्ष प्रतीक सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह ने दी है।

एमआईडीसी नाले में गुलाबी पानी बहने से सनसनी

डोंबिवली(उत्तरशक्ति)। डोंबिवली एमआईडीसी स्थित एक कंपनी से नाले में गुलाबी पानी डाले जाने का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वायरल वीडियो की सत्यता की जाँच के लिए शिवसेना शिंदे गुट के उपजिला प्रमुख राजेश कदम ने कंपनी की तलाशी ली।

उस समय, जानकारी सामने आई है कि कंपनी ने वह पानी नहीं डाला था। दो दिनों से बारिश हो रही है। एमआईडीसी क्षेत्र में पानी जमा हो गया था। एमआईडीसी क्षेत्र के निचले इलाके में एक कंपनी स्थित है। इस कंपनी के परिसर में भी बारिश का पानी घुस गया। कंपनी का रंग उस पानी में मिल गया। उसी रंग में मिला गुलाबी पानी नाले में मिला। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि इस कंपनी में छपाई और चमड़े की छपाई में इस्तेमाल होने वाला रंग तैयार होता है। उसी समय एमआईडीसी के अधिकारी भी आ गए। उन्होंने भी पूछताछ की। इसलिए, यह जानकारी सामने आई है कि कंपनी ने बारिश का फायदा उठाकर नाले में गुलाबी रंग नहीं डाला था, ऐसा शिंदे समूह के उपजिला प्रमुख कदम ने कहा। 2014 में डोंबिवली हरे रंग की बारिश के कारण प्रसिद्ध हुआ था। हमने तब उस कंपनी की भी खोज की थी। इसकी सच्चाई भी नागरिकों के सामने लाई गई थी, यह हरा खाद्य रंग था और इसका पाउडर यातायात के दौरान सड़क पर गिर गया था। बाद में जब बारिश हुई, तो हर जगह सड़कें पानी से हरी हो गईं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने उस कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की। कदम ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया है कि इन घटनाओं के कारण डोंबिवली को बदनाम किया जा रहा है।

पालघर जिला परिषद ने सेवापुस्तक को बनाया डिजिटल

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला परिषद पालघर अंतर्गत कार्यरत लगभग 10 से 11 हजार अधिकारी और कर्मचारियों का सेवापुस्तक अब डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण पहल को राज्य सरकार के ₹150 दिन की कार्ययोजना का हिस्सा माना जा रहा है।

सेवापुस्तक प्रत्येक कर्मचारी के सेवा जीवन का अधिकृत दस्तावेज होता है। अब तक यह केवल हस्तलिखित रूप में कार्यालय में नोंदी तक सीमित था, लेकिन इसके डिजिटलीकरण से प्रशासनिक कार्यवाही में पारदर्शिता, गति और कर्मचारी हित से जुड़े निर्णय अधिक सरल और सटीक हो सकेंगे। इस डिजिटल सेवापुस्तक में कर्मचारी की नियुक्ति, पदोन्नति, बदली, वेतनवृद्धि, शैक्षणिक योग्यता से लेकर सेवानिवृत्ति तक की समस्त जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होगी। इससे कर्मचारियों को प्रमाणपत्र या अन्य आवश्यक दस्तावेजों के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने बताया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से पारदर्शिता और कार्यक्षमता सुनिश्चित की जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग के मार्गदर्शन में इस डिजिटलीकरण अभियान को लागू किया जा रहा है तथा संबंधित विभागों को तकनीकी साधन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि इस पहल से प्रशासनिक कामकाज में क्रांतिकारी परिवर्तन होगा और ₹पेपरलेस ऑफिस₹ की संकल्पना को बढ़ावा मिलेगा। जिले के कर्मचारियों ने इस नए कदम का स्वागत किया है और विश्वास जताया है कि डिजिटल सेवापुस्तक से भविष्य में अनेक सेवाएँ और अधिक सरल एवं सुलभ होंगी।

14वा क्वालिटी मार्क अवार्ड्स 26 अगस्त को अहमदाबाद में उत्कृष्टता को करेंगे सम्मानित

मुंबई/अहमदाबाद। प्रतिष्ठित 14वा क्वालिटी मार्क अवार्ड्स का आयोजन 26 अगस्त 2025 को नारायणी हाइट्स, अहमदाबाद, गुजरात में एक भव्य समारोह में होने जा रहा है। क्वालिटी मार्क ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम उत्कृष्ट उपलब्धियों और गुणवत्ता को सम्मानित करेगा। क्वालिटी मार्क अवार्ड्स 2025 की शोभा बढ़ाएंगे माननीय उद्योग मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत मुख्य अतिथि के रूप में, तथा माननीय मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल अतिथि के रूप में। इसके अलावा IFFCO के चेयरपर्सन श्री दिलीप संघानी एवं दीनदयाल पोर्ट के चेयरपर्सन श्री सुशील कुमार सिंह विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता श्री शरमन जोशी सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में शामिल होकर कार्यक्रम में चार चाँद लगाएंगे। क्वालिटी मार्क अवार्ड्स भारत के सबसे विश्वसनीय मंचों में से एक बन गया है, जो उन संगठनों और व्यक्तियों को मान्यता देता है जो विनिर्माण, सेवाएं, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, अवसंरचना आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, नवाचार और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं। इस वर्ष के समारोह में भारत भर से 500 से अधिक बिजनेस लीडर्स, इनोवेटर्स और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति की उम्मीद है। पुरस्कारों को 30 से अधिक विविध श्रेणियों में प्रदान किया जाएगा, जो उद्योग विशेषज्ञों की एक प्रतिष्ठित जूरी द्वारा कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से चयनित किए गए हैं।

पालघर जिले में अतिवृष्टि का अलर्ट, नागरिकों से सतर्क रहने की अपील

पालघर(उत्तरशक्ति)। हवामान विभाग ने पालघर जिले के लिए 20 अगस्त को अतिवृष्टि की चेतावनी जारी की है। इस चेतावनी के मद्देनजर जिला प्रशासन ने आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह सतर्क कर दिया है। जिलाधिकारी तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदी, नाले और खाड़ी के किनारे सतर्क रहें। अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें और केवल आवश्यक कार्य के लिए ही बाहर जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की आपदा या मदद की आवश्यकता होने पर नागरिक जिला आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष के नंबर 02525-297474, +918237978873 या टोल फ्री नंबर 1077 पर तुरंत संपर्क करें। प्रशासन ने जानकारी दी है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम की धाराओं के अनुसार 19 अगस्त को जिले की सभी शैक्षणिक संस्थाओं– स्कूल और महाविद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। वहीं शासकीय और निमशासकीय कार्यालयों में केवल आवश्यक सेवाओं से जुड़े कर्मचारी ही कार्य करेंगे, अन्य कर्मचारियों के लिए अवकाश संबंधी निर्णय कार्यालय प्रमुख अपने स्तर पर ले सकेंगे। जिला प्रशासन द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार बुधवार 20 अगस्त को भी स्कूल और महाविद्यालयों में अवकाश रहेगा।

भारी बारिश का असर, कल्याण, वसई और विरार में 2.5 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं की बिजली सप्लाई बाधित

ठाणे/वसई (उत्तरशक्ति)। मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश हो रही है। इसके कारण कल्याण, वसई और विरार इलाकों में महावितरण व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। एहतियातन इस इलाके के करीब ढाई लाख बिजली उपभोक्ताओं की बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है। महावितरण ने बिजली सप्लाई बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं।

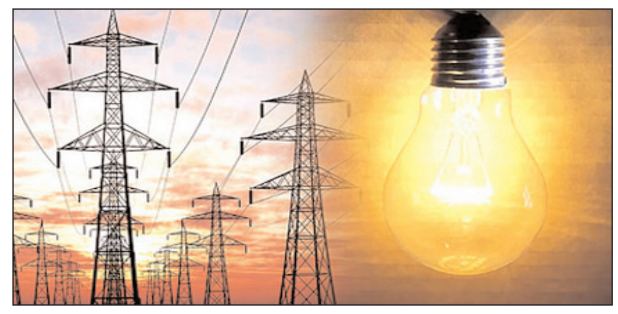

महावितरण की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, कल्याण बोर्ड कार्यालय-1 के तहत आने वाले नांदिवली, आदिवली, टिटवाला और बदलापुर इलाकों में बिजली सप्लाई प्रभावित हुई है। वसई-विरार में बिजली व्यवस्था भारी बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। वसई-विरार के 1300 रोहित्रा इलाके बाढ़ के पानी के कारण बंद हो गए हैं। इसके चलते एहतियातन यहां के दो लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं की बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है। बदलापुर इलाके को पानी की सप्लाई करने वाले भिनार पाड़ा स्थित बिजली व्यवस्था में पानी पहुंचने के कारण बिजली सप्लाई अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है।

महावितरण के इंजीनियर और जनमित्र बिजली सप्लाई बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। महावितरण कल्याण मंडल के मुख्य अभियंता चंद्रमणि मिश्रा ने बताया है कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद व्यवस्था का निरीक्षण किया जाएगा और बिजली उपभोक्ताओं को बिजली सप्लाई बहाल कर दी जाएगी।

वसई के भोयदापाड़ा-राजावली इलाके में भारी बारिश हुई है। इससे बाढ़ आ गई है और इलाके की झोपड़ियों में फंसे 30 लोगों को दमकल कर्मियों ने नावों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला। वसई-विरार में भारी बारिश के कारण कई जगहों पर पानी जमा हो गया है। वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र में भारी बारिश हुई। भोयदापाड़ा-राजावली इलाके में पानी जमा होने से बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। इससे 30 नागरिक झोपड़ियों में फंस गए। दमकल कर्मियों ने नावों की मदद से बचाव कार्य किया और बाढ़ के पानी में फंसे 30 नागरिकों को बचाया।

भिवंडी मनपा आयुक्त जलजमाव वाले क्षेत्रों में अधिकारियों को सतर्क रहने का दिया आदेश

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में हो रही दो दिनों से मूसलाधार बारिश से कई क्षेत्रों में लोगों के घरों में पानी भरने के कारण मनपा ने बाढ ग्रस्त क्षेत्रों के लोगों तक खाने के ३००० हजार पैकेट वितरित करवाया वहीं हंडी कंपाउंड के चार परिवारों को मनपा स्कूल क्र.३९ में सुरक्षित पहुँचाया। बतादें कि मौसम विभाग की सूचना के आधार पर भिवंडी मनपा प्रशासक व आयुक्त अनमोल सागर ने सभी अभियंता, प्रभाग अधिकारियों, बीट निरीक्षक , आरोग्य विभाग, आपातकालीन व्यवस्थापन कक्ष को निर्देश दिया था कि किसी प्रकार की अनहोनी न हो इसके लिए सभी को जलजमाव वाले क्षेत्रों में उपस्थित रहने का आदेश दिया था। जिससे अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के नेतृत्व में सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने सुबह से ही आपातकालीन स्थिति के लिये मोर्चा संभाल लिये थे । ज्ञात हो कि भिवंडी में १८अगस्त को १४७ मि.मी. व १९ अगस्त को दोपहर ३बजे तक २७३ मिमी बरसात हुयी

वहीं १९अगस्त सुबह १० बजे कामवारी नदी में समुद्री पानी की भरती आने के समय मनपा के लोग सजग थे जिससे कोई जन हानि नहीं हुयी। शहर के काकूबाई चाल, हंडी कंपाउंड, आजमीनगर, संगमपाडा, म्हाडा कालोनी आदि क्षेत्रों में पानी भरने पर मनपा द्वारा लाउडस्पीकर द्वारा स्थानंतरण की घोषणा की गयी लेकिन लोग घरों से नही निकले । प्रशासक व आयुक्त अनमोल सागर ने नागरिकों से अपील की है कि आपातकालीन स्थिति में आपातकालीन व्यवस्थापन से संपर्क कर नजदीकी स्थलांतर केन्द्र पर जाने का आह्वान किया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग ने किया शिक्षकों का सम्मान व बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर दहानु तहसील के रणखोल ग्रामपंचायत अंतर्गत पारधीपाड़ा में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के तत्वावधान में भव्य ध्वजारोहण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि संस्थापिका शांतिदेवी मिश्रा ने विशेष उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। इस दौरान विद्यालय परिसर ₹भारत माता की जय₹ और ₹वंदे मातरम₹ के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। राष्ट्रगान के पश्चात बच्चों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों ने पूरे वातावरण को देशप्रेम की भावना से भर दिया।इस मौके पर क्षेत्र के शिक्षकों को शाल, श्रीफल, प्रशस्ति-पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम मिश्रा ने कहा कि ₹शिक्षक केवल ज्ञान के वाहक नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निमार्ता हैं। उनकी भूमिका अमूल्य है।₹ सम्मान पाकर शिक्षक भावुक हुए और आयोग के इस पहल की

सराहना की। बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह जगाने के लिए आयोग की ओर से स्कूल बैग, कॉपियां, पेन, पेंसिल और ज्योमेट्री बॉक्स वितरित किए गए। सामग्री प्राप्त कर बच्चों के चेहरों पर खुशी झलक उठी। इस अवसर पर दयाराम मिश्रा ने कहा झ

₹बच्चे देश का भविष्य हैं। शिक्षा ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। हमारा संकल्प है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।₹ इसके बाद सभी बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई, जिसमें समोसा, मिठाई और चाय का आनंद सभी ने लिया। ग्रामीणों ने आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। पूरे आयोजन में संस्थापिका शांतिदेवी मिश्रा सक्रिय रूप से मौजूद रहीं। उनके प्रेरणादायी शब्दों ने बच्चों और ग्रामीणों का मनोबल बढ़ाया। विद्यालय के बच्चों ने देशभक्ति गीतों के साथ झांसी की रानी पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहा। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम मिश्रा, संस्थापिका शांतिदेवी मिश्रा, उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों और ग्रामीणों का आभार प्रकट किया।

केमिकल गोदाम में लगी भीषण आग में आठ गोदाम जलकर राख

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर और ग्रामीण इलाकों में रात से ही भारी बारिश हो रही है वहीं भिवंडी तालुका के पूर्णा ग्राम पंचायत के मायाश्री कंपाउंड में मधुसूदन नामक केमिकल गोदाम में सुबह के समय भारी बारिश के दौरान आग लग गई। गोदाम में आग सुलग ही रही थी कि ऊपर से लगातार हो रही बारिश के कारण आग विस्फोट के साथ फैलती जा रही थी। घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुँची लेकिन केमिकल में लगी आग बुझाने के लिए आवश्यक फोम और पानी की कमी के कारण आग पर काबू नही पाया गया। जिससे मदद के लिए ठाणे और कल्याण महानगर

पालिका की गाड़ियां बुलाया गया ट्रैफिक जाम के कारण दोपहर 1 बजे तक नहीं पहुँच पाईं थी जिससे आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया था। आग की चपेट में आने से सात से आठ गोदाम जलकर खाक हो गये। आसपास के अन्य गोदाम भी जलने की स्थिति में हैं। इसलिए यह कहना मुश्किल है कि भारी बारिश के बीच भड़क रही इस आग पर कब काबू पाया जा सकेगा। इस रासायनिक आग के कारण इलाके के नागरिकों को आँखों में जलन और साँस लेने में तकलीफ होने लगी।

शिवसेना सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी का मराठा परंपरा से किया सम्मान

कल्याण। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और महाराष्ट्र के 12 ऐतिहासिक किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने में उनकी भूमिका के लिए शिवसेना सांसदों ने सम्मानित किया। डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट कर पुणेरी पगड़ी पहनाई। इस अवसर पर मोदी ने याद किया कि लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने रायगढ़ किले पर जाकर शिवाजी महाराज के दर्शन किए थे।

प्रतिनिधिमंडल में नरेश म्हस्के, श्रीरंग बारणे, धैर्यशील माने, रविंद्र वायकर, मिलिंद देवरा और प्रतापराव जाधव उपस्थित रहे। सांसदों ने कहा कि किलों के इस वैश्विक मान्यता से महाराष्ट्र का गौरव बढ़ा है और पर्यटन व शोध को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण में पार्टी पूर्ण सहयोग करेगी।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मनाया जा रहा है जैन धर्मावलंबियों का पर्व

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में जैन धर्मावलंबियों का पर्व मनाया जा रहा है उक्त पर्युषण पर्व के दौरान मांस की दुकानें बंद रखने के संबंध में महाराष्ट्र सरकार ने परिपत्र-10/2004/प.सं. 121/नवी-20, नगर विकास विभाग, मुंबई-400032 दिनांक 07 सितंबर 2004 के माध्यम से निर्णय जारी किया है। वर्ष 2025 में जैन धर्मावलंबियों के पवित्र पर्युषण पर्व के दौरान आठ दिनों के लिए शहर में मांस की दुकानें बंद रखने के संबंध में निर्णय प्राप्त हुआ था।

मीरा भायंदर महानगरपालिका प्रशासकीय संकल्प क्रमांक 199, दिनांक 11/09/2023 के अनुसार वर्ष 2024 का पर्युषण पर्व 20/08/2025 से 27/08/2025 तक मनाया जा रहा है। सरकारी निर्णय के अनुसार, मीरा भायंदर महानगरपालिका क्षेत्राधिकार में आने वाली मांस की दुकानें श्रावण वद्यि 12 अर्थात 20/08/2025 और भाद्रपद शुक्ल 4 अर्थात 27/08/2025 को बंद रखी जाएगी और नागरिकों को ध्यान देना चाहिए कि पर्युषण काल के दौरान दुकानें बंद रखने की अपील की जा रही है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अस्पताल के निर्माणाधीन लिफ्ट से गिरकर वृद्धा की दर्दनाक मौत

24 घण्टे बाद हुआ शव बरामद, सीएमओ ने दिए जांच के आदेश

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के घनी आबादी में स्थित एक चर्चित हास्पिटल की निर्माणाधीन लिफ्ट ने एक वृद्धा के लिए काल बन गया। बिना किसी सुरक्षा घेरे, बिना चेतावनी बोर्ड और बिना रोशनी के खुले लिफ्ट डक ने एक निरीह महिला को निगल लिया और 24 घंटे तक अस्पताल को उसकी खबर तक नहीं हुई। सोमवार की देर रात पुलिस द्वारा शव को बरामद किया गया।

जानकारी के अनुसार नगर के पुराना चौक मोहल्ला निवासी 75 वर्षीय बिट्टन देवी पुरानी बाजार स्थित हड्डी अस्पताल गली में आर के हास्पिटल एवं ट्रामा सेंटर में अपने बीमार पति कामता प्रसाद की देखभाल के लिए रविवार रात अस्पताल आई थीं। मगर उन्हें क्या पता था कि जो अस्पताल इलाज का केंद्र होना चाहिए, वहीं उनकी मौत का कारण बन जाएगा।

रात के अंधेरे में वह निर्माणाधीन लिफ्ट के डक में गिर गईं। इतना गहरा गड्ढा था कि उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। अस्पताल की लापरवाही इस कदर थी कि न तो वहां रोशनी थी, न कोई चेतावनी बोर्ड और न ही कोई बैरिकेडिंग। खुले लिफ्ट शाफ्ट में गिरना किसी के लिए भी आसान था लेकिन सुरक्षा नाम की चीज मानो अस्पताल में थी ही नहीं।

24 घंटे बाद मिला शव, पूरे इलाके में मचा हड़कंप: सबसे शर्मनाक बात हुआ 24 घंटे तक किसी को यह नहीं पता चला कि एक महिला अस्पताल के ही गड्ढे में पड़ी है! परिजन इधर-उधर खोजते रहे, लेकिन जवाब किसी के पास नहीं था। सोमवार

रात 8 बजे एक कर्मचारी की नजर जब लिफ्ट के गड्ढे में गई तो वहां बिटन देवी का शव पड़ा मिला।

पहचान होते ही परिजनों में मचा कोहराम: जब शव की पहचान हुई, तो पूरा माहौल गमगीन हो गया। परिजन बेसुध हो गए। किसी ने सोचा भी नहीं था कि एक बुजुर्ग महिला की जान महज लापरवाही की भेंट चढ़ जाएगी।अब सवाल उठ रहे हैं कि जब लिफ्ट निर्माणाधीन थी, तो सुरक्षा घेरा क्यों नहीं था? अस्पताल में रोशनी की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं थी? और सबसे अहमझ एक शव अस्पताल में 24 घंटे तक अनदेखा कैसे रहा? यह हादसा निजी अस्पतालों में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाने का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है।

सीएमओ ने जांच के दिए आदेश: सीएमओ डॉक्टर लक्ष्मी सिंह ने कहा, घटना गंभीर है। जांच करवाई जा रही है, दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा।

क्या हर निजी अस्पताल में ऐसे ही जानलेवा इंतजाम हैं: यह हादसा चेतावनी है- प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और निजी अस्पतालों को। अगर अब भी नींद नहीं टूटी, तो अगला शिकार कोई और हो सकता है।परिजन और स्थानीय लोग अब एकजुट होकर न्याय की मांग कर रहे हैं। अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है। अब देखना यह है कि प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस पर क्या कार्यवाही करता है। या फिर एक गरीब की मौत को फाइलों में दबा दिया जाएगा।

शराब के नशे में धुत स्कॉर्पियो चालक ने ऑटो को मारी टक्कर, ऑटो चालक की मौत

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। सर्किट हाउसझ भोजूबीर मार्ग पर सोमवार की देर रात हुए दर्दनाक हादसे में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सवारियां लेकर जा रहे ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो पूरी तरह कार में समा गया। हादसे में ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद ऑटो सवार कई लोग बाहर जा गिरे, वहीं कुछ अंदर फंस गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को दीनदयाल अस्पताल भेजा, जहां से गंभीर हालत में महिला सविता भारती (40) को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों में नरेंद्र कुमार (40), राहुल (25) और आनंद (55) शामिल हैं। इस दौरान ऑटो चालक शीशे और सीट के

वाराणसी में हुए सड़क हादसे में 4 गंभीर रूप से घायल

बीच दबा रह गया और उसकी मौत हो गई। मृतक चालक की शिनाख्त टोटो नंबर के आधार पर की जा रही है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर यातायात ठप हो गया। भीड़ ने स्कॉर्पियो चालक को पकड़कर जमकर पिटाई की। बाद में पुलिस ने आरोपी चालक और उसके साथी को हिरासत में ले लिया। पुलिस पूछताछ में चालक ने अपना नाम अखिलेश कुमार, निवासी अनपरा (सोनभद्र) बताया है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि चालक शराब के नशे में था और उसने इससे पहले भी कई वाहनों व राहगीरों को टक्कर मारने की कोशिश की थी। एसीपी कैंट ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने, शराब पीकर ड्राइविंग करने और जानलेवा दुर्घटना के तहत मामला दर्ज किया गया है। घटना से गुस्साए लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर में तेज रफ्तार और नशे में वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

जनसुनवाई में आये फरियादी को आर्थिक सहायता धनराशि देकर हर सम्भव मदद का जिलाधिकारी ने दिया आश्वासन

जौनपुरशक्ति)। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र

के समक्ष आये दिव्यांग फरियादी किशन कन्नौजिया निवासी तहसील सदर ग्राम जगीपुरकला द्वारा उपस्थित होकर अपनी दिव्यांगता तथा खराब आर्थिक स्थिति के बारे में अवगत कराते हुए मोटराइज्ड साइकिल की मांग की गयी, जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा दिव्यांग जनसशक्तिकरण अधिकारी को निर्देशित किया गया कि पात्रता की जांच करते हुए किशन कन्नौजिया को मोटराइज्ड साइकिल उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा दिव्यांगता पेंशन के सन्दर्भ में जानकारी ली गयी, जिसपर किशन कन्नौजिया द्वारा अवगत कराया गया कि उन्हें दिव्यांगता पेंशन प्राप्त हो रहा है किशन कन्नौजिया की खराब आर्थिक स्थिति के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए किशन कन्नौजिया को आर्थिक सहायता धनराशि देते हुए तथा अंगवस्त्रम प्रदान करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पत्नी से विवाद के बाद क्षुब्ध युवक ने ट्रेन से कटकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी के फूलपुर थानाक्षेत्र के खालिसपुर रेलवे स्टेशन के पास सोमवार दोपहर एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां 30 वर्षीय मदन प्रजापति ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। मदन मूल रूप से पलिया पयामपुर, थाना चोलापुर का रहने वाला था और इन दिनों परिवार के साथ सिंधोरा थानाक्षेत्र के बरवां गांव में किराए के मकान में रहता था। पेशे से पेंटर मदन का सोमवार को शराब पीने को लेकर पत्नी रिंकी प्रजापति से विवाद हुआ था। गुस्से में वह साइकिल लेकर घर से निकल गया और खालिसपुर रेलवे स्टेशन के पास जाकर चलती ट्रेन के सामने कूद पड़ा। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मुझे नौ लखा मंगा दे रे ओ सैया दीवाने... के चक्कर में फंसे थानेदार सहित नौ पुलिस कर्मी निलम्बित

जौनपुर(उत्तरशक्त)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे पावन पर्व पर बदलापुर थाना परिसर में हुए अशोभनीय आयोजन ने पूरे पुलिस महकमे की किरकिरी करा दी है। दरअसल, थाने में आयोजित कार्यक्रम के दौरान फिल्म शराबी के मशहूर गीत मुझे नौ लखा मंगा दे रे ओ सैया दीवाने पर अश्लील डांस हुआ। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हड़कंप मच गया। नतीजतन, बदलापुर थानाध्यक्ष के निलंबन के बाद अब दो दरोगा समेत आठ पुलिसकर्मी भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जद में आ गए हैं। मालूम हो कि जन्माष्टमी की रात थाने के अंदर ह्रसांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर डांस पार्टी रखी गई थी। डांस के दौरान पुलिस कर्मियों के साथ-साथ स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। जब इस आयोजन के वीडियो वायरल हुए, तो इसकी गूंज उच्च अधिकारियों तक पहुंची। पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया और एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव से जांच कराई। जांच में यह साबित हुआ कि दो दरोगा और छह सिपाही अशोभनीय कार्यक्रम में शामिल थे। सभी को निलंबित कर दिया गया है।

25 साल की शादी तोड़ महिला ने 50 साल के प्रेमी संग लिए सात फेरे

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बीरभानपुर मोहन सराय स्थित मंदिर में एक शख्स ने अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी के साथ कराई। मंदिर में विधि- विधान से शादी संपन्न कराई गई। इतना ही नहीं मंदिर की ओर से शादी का प्रमाणपत्र भी जारी किया गया। यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक, मिर्जापुर के अहिरौरा निवासी अरविंद कुमार पटेल और चंदौली के दुल्हीपुर की रीना देवी की शादी 25 वर्ष पहले भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार हुई थी। दंपति के दो बच्चे हैं जिनमें बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है और बेटा 18 वर्ष का है। कुछ समय से पति-पत्नी के बीच अनबन

चल रही थी। जिसके चलते रीना चंदौली के हमीदपुर में किराए के मकान में रह रही थी इस दौरान अरविंद को रीना पर शक हुआ तो उसने उसकी जासूसी शुरू कर दी। जिसके बाद उसे पता चला कि रीना का 50 वर्षीय सियाराम यादव के साथ प्रेम संबंध है। अरविंद ने रीना और सियाराम को एक कमरे में रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद अरविंद ने अपने परिजनों और अन्य साथियों को बुलाया और दोनों की शादी करा दी यह बोलकर के जान है तो जहाँन है।

जम्मू कश्मीर में कंस्ट्रक्शन कम्पनी में दुर्घटना में मृत क्रेशर आपरेटर के परिवार को राज्यमंत्री दिलायी सहायता राशि

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सदर विधानसभा के अंतर्गत ग्राम एतमादपुर , खेतासराय का निवासी विकास पासवान जो जम्मू -कश्मीर राज्य के जिला सांबा विजयपुर में स्थित फर्म शिवालय कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड में क्रेशर आपरेटर के पद पर कार्य कर रहा था, जिसकी कम्पनी की लापरवाही के कारण 12 जुलाई 2024 को कम्पनी का कार्य करते समय दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। जिसकी एफ.आई.आर थाना विजयपुर जिला सांबा में दर्ज किया गया था। लेकिन कम्पनी द्वारा मृतक के परिवार को किसी प्रकार की कोई आर्थिक मदद नहीं दी गई। जब इस बात जानकारी सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक व उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव जी को मिली तो वे स्वयं जाकर परिवार से मिले, मृतक के प्रति संवेदना भी व्यक्त किया, और आर्थिक मदत का भरोसा भी दिलाया।

राज्यमंत्री ने मृतक क्रेशर आपरेटर के बारे पूरी जानकारी ली, और एक पत्र जम्मू कश्मीर के राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा को लिखा और बात भी की, इसके साथ ही साथ श्रम विभाग के अधिकारीयो से भी बात भी कि जल्द से जल्द मृतक के परिवार को आर्थिक मदद दिलाया जाए, राज्यमंत्री का प्रयास सफल रहा, दिनांक 18अगस्त 2025 को राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव जी, जम्मू कश्मीर के जिला सांबा विजयपुर में शिवालय कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही के कारण मृतक क्रेशर आपरेटर विकास के घर ग्राम एतमादपुर, खेतासराय जाकर उनकी माता श्रीमती रामुंता देवी एवं पिता इंद्रजीत जी को कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम के अंतर्गत क्षतिपूर्ति की धनराशि रुपया 16,38,525.00 (सोलह लाख अड़तीस हजार पांच सौ पच्चीस) लाख का चेक एवं प्रमाण पत्र दिया। राज्यमंत्री ने परिवार को हर सम्भव मदद करने का भरोसा भा दिलाया।इस अवसर पर सहायता श्रम आयुक्त देवव्रत यादव, डा रामसूरत बिंद, विनय मिश्रा, मनीष श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र मिश्रा मौजूद रहे।

एनएसएस स्वयंसेवक प्रभात तिवारी को कुलपति ने किया सम्मानित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवक प्रभात तिवारी को

आज विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्हें वर्ष 2025 में नई दिल्ली स्थित लालकिले पर विशेष अतिथि स्वयंसेवक के रूप में चयनित होने पर प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया।राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ राज बहादुर यादव ने बताया कि प्रभात तिवारी बीते दो वर्षों से एनएसएस के विविध कार्यक्रमों स्वच्छता ही सेवा, ब्लड डोनेशन कैंप, दिवाली विद माय भारत, युवा संसद आदि में सक्रिय रूप से सहभागिता करते रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव, डॉ. देवराज सिंह, डॉ. अजय प्रताप सिंह, डॉ. राम नारायण, डॉ. शशिकांत यादव सहित स्वयंसेवक अभिनव कीर्ति पांडेय, सुमित सिंह आदि उपस्थित रहे।

सहारनपुर से आई जमात को पुलिस ने लौटाया वापस

चैयरमैन प्रतिनिधि सहित सैकड़ों लोग पहुंचे सीओ आवास

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दीनी जमात(धार्मिक कार्य करने वाले) को स्थानीय पुलिस ने मंगलवार को एक मस्जिद पहुंच कर वापस अपने घर लौटने का निर्देश दिया जिससे वर्ग विशेष के लोगों ने सीओ आवास जाकर आपत्ति जताई।बताया जाता है सहारनपुर से एक दर्जन की संख्या में दीनी जमात कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उसरहटा के एक मस्जिद में ठहरी हुई थी।और वहां धर्म के रास्ते पर लोगों से चलने की अपील कर रहे थे। शाम करीब सात बजे कोतवाली पुलिस की टीम उक्त गॉव स्थित मस्जिद पहुंची और जमातियों से कहा की आप लोग अपना सामान आदि लेकर तुरन्त अपने घर सहारनपुर चले जाइये। जमातियों ने जाने का कारण पूछा तो पुलिस वालों ने ऊपर से आदेश है का हवाला दिया। तो जमात के लोगों ने अपने सामान लेकर नगर के एक मस्जिद पहुंचे जहां पर पुलिस ने वहां भी रोक लिया और कहा की आप लोग बस पकड़िए यहां नही रुक सकते। पुलिस और जमात के बीच बातचीत चल रही थी की धीरे धीरे लोग इकट्ठा होने लगे। और पुलिस द्वारा सन्तोष जनक जवाब न मिलने पर सैकड़ों की संख्या में चैयरमैन प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह बंटी और धर्म गुरुओं के नेतृत्व में देर रात सीओ आवास पहुंचे और सीओ अजीत सिंह चौहान को पूरी बात बताई। तो उन्होंने कहा की ऊपर से आदेश होगा।इंटेलिजेंस का मामला है। हम अपने उच्च अधिकारियों से बातचीत कर के ही कुछ कह सकते हैं। वहीं अंजुमन मरकज के अमीर सहाब अनवर से बात करने पर उन्होंने बताया की चार दिन पहले सहारनपुर से जमात आई थी। जो इराकियाना स्थित कदीम मरकज मस्जिद में रुकी हुई थी। आज मंगलवार की सुबह ग्राम उसरहटा के लिए जमात रवाना हुई थी। और देर शाम कोतवाली पुलिस ने उक्त मस्जिद पहुंच कर जमात वालों को वापस जाने का फरमान सुना दिया। इस सम्बंध में जब सीओ अजीत सिंह चौहान से बात की गई तो उन्होंने कहा की ऐसा मामला जानकारी में आया है कुछ लोग मेरे पास आये थे और जमात को रुकने की बात कह रहे थे। मगर उच्च अधिकारियों का निर्देश पर जमात वालों को वापस जाने के लिए पुलिस ने कहा है। रात भर रुकने की बात पर उन्होंने कहा की उच्च अधिकारियों से बात करके आगे क्या करना है अंजुमन मरकज के अमीर को अवगत करा दिया जाएगा। फिलहाल खबर लिखे जाने तक जमात को वापस भेजने का सही कारणों का पता नही चल सका था।

मंगलवार की सुबह जमात के अमीर शहजाद ने बताया की पुलिस का निर्देश था सुबह निकलने के लिए तो हम तेरह लोग हैं जो अभी जौनपुर जा रहे हैं। वहां अधिकारियों से बातचीत करके आगे वैसा करेंगे। हमने सारे कागजात प्रशासन को उपलब्ध करा दिया है। अगर अनुमति मिलती है तो रुकेंगे नही तो वापस सहारनपुर रवाना हो जाएंगे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मॉक इंटरव्यू सत्र का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल (उळढउ) की ओर से आज विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर में मॉक इंटरव्यू सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन सीटीपीसी के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने किया।प्रो. कुमार ने छात्रों को इंटरव्यू की तैयारी से जुड़ी बारीकियों, आत्मविश्वास बढ़ाने के उपायों और करियर निर्माण के लिए महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि इंटरव्यू में प्रथम प्रभाव सबसे अहम होता है, इसलिए छात्रों को आत्मविश्वास के साथ प्रवेश करना चाहिए। साथ ही शारीरिक भाषा, स्पष्ट व संक्षिप्त उत्तर और रेज्यूमे की गहन जानकारी सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि किसी प्रश्न का उत्तर न आने पर विनम्रता से स्वीकार करना एक सकारात्मक गुण है।सत्र के दौरान छात्रा श्रेय मिश्रा का मॉक इंटरव्यू स्वयं निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने लिया। इस प्रक्रिया में उन्होंने वास्तविक इंटरव्यू जैसे प्रश्न पूछे और उत्तरों पर रचनात्मक प्रतिक्रिया दी। इससे उपस्थित छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और इसे अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक अनुभव बताया। छात्रों ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल आत्मविश्वास और संचार कौशल को मजबूत करते हैं बल्कि पेशेवर तैयारी में भी सहायक सिद्ध होते हैं। सत्र के सफल संचालन में सीटीपीसी टीम के सदस्य रुद्रांश चतुर्वेदी, दिव्यांशु संजय, हरि ओम साहू, श्रेया मिश्रा, आयुष गुप्ता, शिवांश श्रीवास्तव, आर्यन पांडेय एवं रोहित रंजन ने आदि उपस्थित थे।

'भीमा का सपना' ने रचा इतिहास, डॉ.अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र की प्रतियोगिता में टॉप 5 में शामिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौहर गांव के सरकारी विद्यालय के छात्रों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की इस वर्ष मनाई गयी 135वीं जयंती के अवसर पर भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत आयोजित एक विशेष प्रतियोगिता में बाजी मारी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भारत रत्न बाबासाहेब डॉ.बी.आर. अंबेडकर के विचारों, आदर्शों और समाज सुधार में उनके योगदान को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करना था। प्रतियोगिता में देशभर से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और विविध माध्यमों से बाबासाहेब के जीवन, संघर्ष एवं सपनों को दशार्ने का प्रयास किया। इसी कड़ी में प्रस्तुत की गई एक लघु फिल्म 'भीमा का सपना' को

विशेष सराहना मिली और यह शीर्ष 5 सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों में शामिल की गई। इस उपलब्धि की जानकारी डॉ.अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के निदेशक आकाश पाटिल द्वारा दी गई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने बताया कि यह फिल्म न केवल डॉ. अंबेडकर के विचारों का प्रभावी चित्रण करती है, बल्कि शिक्षा के प्रति चेतना जगाने में एक सशक्त माध्यम भी बनती है। इस फिल्म के निर्देशक शिक्षक शिवम सिंह ने बताया कि भीमा का सपना फिल्म ने यह सिद्ध किया है कि आज की युवा पीढ़ी बाबासाहेब के सपनों को न केवल समझ रही है, बल्कि उन्हें रचनात्मक रूप से समाज के सामने रख भी रही है। इस फिल्म की कहानी, निर्देशन और प्रस्तुति ने निर्णायकों को प्रभावित किया, जिससे इसे शीर्ष पांच में स्थान मिला। मड़ियाहूं के खंड शिक्षा अधिकारी उदयभान कुशवाहा ने इस सम्मानजनक उपलब्धि के लिए फिल्म के रचनाकारों को बधाई दी साथ ही, इस प्रकार के आयोजनों से यह भी स्पष्ट होता है कि भारत के युवाओं में सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता निरंतर बढ़ रही है।

थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा तीन अन्तर्जनपदीय शातिर पशु चोरों को किया गया गिरफ्तार

मोहम्मद आसिफ सिद्दीकी

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा तीन अन्तर्जनपदीय शातिर पशु चोरों को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से तीन भैस, बिक्री का 4500 रूपया नगद व पिकप वाहन बरामद।

थानाध्यक्ष खेतासराय के कुशल नेतृत्व में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-159/2025 धारा-109(1), 317(2) बीएनएस व 11 पशु क्रुरता नि0 अधि0 के अन्तर्गत तीन अंतर्जनपदीय शातिर भैस चोर 1.फरहान पुत्र स्व0 मारुफ निवासी पोटरिया थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर 2.शाहिद पुत्र असीउल्ला निवासी चकराजेपुर थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर 3.सलीम पुत्र इस्तेयाक उर्फ मलाई निवासी भुड़कुड़हा थाना खेतासराय जनपद जौनपुर को चोरी की तीन राशि भैस के साथ तथा भैस चोरी की ब्रिकी का 4500 रूपया नगद व पिकप वाहन के साथ भुड़कुड़हा रेलवे क्रासिंग मार्ग से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा है।

मोबाइल ने सबको फोटोग्राफी की तकनीकी से सीधे जोड़ा: प्रो. मनोज मिश्र

पीयू में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी दिवस

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थियों ने अपने मोबाइल फोटो से विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थानों पर फोटोग्राफी की और शिक्षकों द्वारा उन्हें फोटोग्राफी की बारीकियों और तकनीकी पक्ष की जानकारी दी गई। जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज मिश्र ने कहा कि आज मोबाइल ने हर व्यक्ति को फोटोग्राफी की तकनीकी से सीधे जोड़ दिया है। डिजिटल तकनीकी के कारण गांव- देहात की फोटो भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक स्थलों और घटनाओं की वास्तविकता को बहुत कुछ तस्वीरें ही बयां कर देती है। फोटोग्राफी करते समय सामाजिक सरोकारों और मानवीय संवेदनाओं का भी ख्याल रखना चाहिए।जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि फोटो मानव जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है, जीवन के सुख-दुख के पल फोटो के माध्यम से हमें याद आते रहते हैं। फोटोग्राफी एक कला है, एक बेहतरीन फोटो कैप्चर करने के लिए कैमरे के पीछे की आँख बहुत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा फोटोग्राफर बनने के लिए फोटोग्राफी की तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ विषय की समझ होना जरूरी है। डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी दिवस केवल तस्वीरों का उत्सव नहीं, बल्कि संवेदनाओं और क्षणों को अमर करने की साधना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि कैमरा सिर्फ उपकरण नहीं, बल्कि दृष्टि और भावनाओं का दर्पण है। आज का दिन उन सभी रचनाकारों को नमन है, जिन्होंने तस्वीरों से दुनिया को नया दृष्टिकोण दिया। इस अवसर पर डॉ. चन्दन सिंह, डॉ. सुरेन्द्र यादव, अमित मिश्र, अर्पित यादव, पंकज सिंह समेत विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मारपीट व हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा के नेतृत्व में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर पंजीकृत मु0अ0सं0 479/25 धारा 191(2), 352, 351(2), 109(1), 3(5) बीएनएस का वाछिंत अभियुक्त लाला यादव पुत्र पन्नालाल नि0 ग्राम मनिया थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर हाल पता ग्राम उडली थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

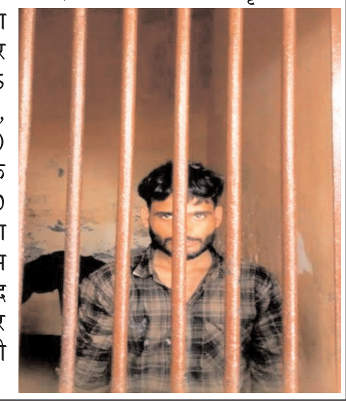

साईकिल चोर को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ा, पुलिस को किया सुपुर्द

गुड़िया राज

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के अंतर्गत सरायबीरू (मड़ैया) गांव निवासी राजेश यादव पुत्र विजय यादव की पुत्री मंगलवार की दोपहर स्कूल से घर पहुंच साइकिल बरामदे में खड़ी कर घर के अंदर चली गई। इसी दौरान दो चोर बरामदे में पहुंच साईकिल लेकर भागने के फिराक थे कि तभी बरामदे में सोई हुई महिला की नींद खुल गई और चीख पुकार करने लगी। महिला की चीख पुकार सुन आस-पास के लोग की भीड़ इकट्ठा हो गई। और भाग रहे चोरों को दौड़ा लिये। भाग रहे दोनों चोरों में से एक चोर को ग्रामीण पकड़ने में कामयाब रहे। वही दूसरा चोर मौके से फरार हो गया। तत्पश्चात घटना की सूचना पुलिस को दी गई, मौके ए वारदात पर पहुंची पुलिस को ग्रामीणों ने चोर को सुपुर्द कर दिया। पुलिस चोर को थाने लाकर जांच पड़ताल में जुट गई।

कोतवाली पुलिस टीम एवं आर.ए.एफ. कम्पनी डी-91 द्वारा जौनपुर शहर में किया गया पैदल गश्त

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मंगलवार को थाना कोतवाली पुलिस टीम एवं आर.ए.एफ. कम्पनी डी-91 द्वारा शहर क्षेत्र में शान्ति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत संयुक्त रूप से पैदल गश्त किया गया। इस दौरान पुलिस बल द्वारा मुख्य बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, संवेदनशील क्षेत्रों, अटाला मस्जिद तथा प्रमुख मार्गों पर गश्त कर लोगों से संवाद स्थापित किया गया एवं शान्ति एवं सुरक्षा का संदेश दिया गया। पैदल गश्त का उद्देश्य नगर में आमजनमानस में सुरक्षा का वातावरण बनाए रखना एवं किसी भी प्रकार की असामाजिक/अराजक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना है ।जौनपुर पुलिस जनपदवासियों की सुरक्षा एवं शान्ति व्यवस्था हेतु सदैव तत्पर है ।पैदल गश्त करने वाली टीम-प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रताप सिहं थाना कोतवाली जौनपुर मय फोर्स थाना कोतवाली,विवेक कुमार सिहं असिस्टेन्ट कमान्डेन्ट डी 91 आरएएफ मय डी 91 आरएएफ फोर्स

सिकरारा नहर से बरामद किया अज्ञात महिला का निर्वस्त्र शव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के सिकरारा थाना क्षेत्र में शारदा सहायक नहर से एक महिला का शव बरामद हुआ है। शेरवां दुदौली पुल पर मंगलवार को दोपहर ग्रामीणों ने महिला का शव देखे जाने के बाद वहां भारी भीड़ एकत्र हो गयी। किसी ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची सिकरारा पुलिस ने शव को नहर से निकालकर शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन कुछ पता नहीं लग सका। शव निर्वस्त्र अवस्था में और लाल रंग का हो गया था। घटनास्थल पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारी ओम प्रकाश यादव ने बताया कि शव काफी पुराना प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले में कुछ स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मीरा-भायंदर शहर में 21 व 22 अगस्त को बंद रहेगा पानी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर की शहर को जलापूर्ति रळएट प्राधिकरण और महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (टक्ळ्ळ) प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाती है। महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (टक्ळ्ळ) ने अपनी जल आपूर्ति योजना के जांभुल स्थित जल उपचार संयंत्र में अति आवश्यक रखरखाव एवं मरम्मत कार्य हेतु 24 घंटे का शटडाउन लिया है। इसलिए, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (टक्ळ्ळ) से मीरा-भायंदर शहर को होने वाली जलापूर्ति गुरुवार 21 अगस्त 2025 को दोपहर 12:00 बजे से शुक्रवार 22 अगस्त 2025 को दोपहर 12:00 बजे तक (कुल 24 घंटे) पूरी तरह बंद रहेगी। साथ ही, रळएट प्राधिकरण से भी जलापूर्ति जारी रहेगी। हाला कि, जब तक महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) से पानी की आपूर्ति बहाल नहीं हो जाती, मीरा-भायंदर शहर में पानी की आपूर्ति कम दबाव पर और देरी से होगी। नागरिकों को पानी का संयम से उपयोग करना चाहिए और नगर निगम का सहयोग करना चाहिए।

एसडीओ एसडीपीओ ने मौनिया बाबा मेला तैयारी का किया निरीक्षण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज उत्तर बिहार का प्रसिद्ध मेला मौनिया बाबा मेला 22 अगस्त को जुलूस और 23 अगस्त को महावीरी झंडा अखाड़ा मेला है। मेला राजकीय घोषित है। जिला स्तर से लेकर अनुमंडल,ब्लॉक,थाना स्तर तक के अधिकारी सरकारी नियमानुसार मेला के व्यवस्था के लिए महाराजगंज शहर व मौनिया बाबा समाधि स्थल तक घूम- घूम कर व्यवस्था को सुचारु करने में लगे हैं। महाराजगंज की एसडीओ अनिता कुमारी, एसडीपीओ अमन कुमार जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार महाराजगंज शहर व मौनिया बाबा स्थल के प्रांगण को साफ - सुथरा करने के लिए नगर पंचायत को निर्देश दे चुके है, वही बिजली व्यवस्था की जिम्मेदारी महाराजगंज के बिजली विभाग के एसडीओ व बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर को दे रखे हैं। वही विधि व्यवस्था को संधारण के लिए, पुलिस प्रशासन को जिम्मेवारी दी गई है। पेय जल की जिम्मेवारी पीएचइडी विभाग को सौंपी गई है। मेला में चलित शौचालय गाड़ी के अलावा जगह-जगह पर सुलभ शौचालय बनाए गए हैं। मेला में निगरानी रखने के लिए जगह-जगह सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। इन सभी आवश्यक निर्देश का पालन अधिनस्त अधिकारियों द्वारा किया गया है कि नहीं इसके लिए मंगलवार को सुबह ही एसडीओ सीडीपीओ द्वारा औचक निरीक्षण किया गया, साथ में इंजीनियर अशोक गुप्ता अधिकारियों से आवश्यक स्थानों पर पूर्व की व्यवस्थाओं पर नजर डाल व्यवस्था से अवगत करा रहे थे।

मौसमी बीमारी में मरीजों की संख्या में हो रही बढ़ोत्तरी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में मौसम में बदलाव और उमस भरी गर्मी से बच्चों से लेकर बुजुर्ग वायरल बुखार की चपेट में आ रहे हैं। लोग उल्टी-दस्त के साथ ही पेट दर्द और तेज बुखार से भी पीड़ित हो रहे हैं। प्रतिदिन वायरल बुखार, डायरिया के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है. पहले सदर अस्पताल ओपीडी में मरीज की संख्या में वृद्धि हो रही है। पंजीकरण काउंटर पर लंबी कतार लगने से लोगों को पर्ची कटाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वायरल फीवर तीन से चार दिन तक लोगों को परेशान कर रहा है। इसमें शरीर का तापमान 104 डिग्री तक पहुंच जा रहा है. तेज बुखार, कफ और जोड़ों में दर्द से लोगों को काफी कमजोरी फील हो रही है। चिकित्सकों मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर अस्पताल से निशुल्क जांच व दवा वितरित कर रहे हैं। अस्पताल प्रशासन की माने तो वायरल बुखार, खांसी-जुकाम में मरीजों में इजाफा होने से हर दिन मरीजों की संख्या अधिक रहती है।

मरीजों के प्लेटलेट की कमी हो जा रहे है. हालांकि चिकित्सकों रिपोर्ट में एक लाख तक प्लेटलेट रहने तक नहीं घबराने की सलाह दी है. डॉ प्रदीप कुमार से पूछे जाने पर कहा कि कई दिनों के बुखार व कमजोरी के कारण प्लेटलेट कम हो जाता है।

मरीज के लक्षणः बताया जाता है कि मरीज को तेज बुखार (103 से 104 तक फीवर) गले में खराश रहता है। मांसपेशियों या जोड़ों में दर्द, स्त, थकान, ठंड लगना वायरल बुखार के सीजन में प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए खाद्य आयटमों की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में लोग नारियल पानी को ज्यादा पसंद कर रहे है। शहर में नारियल की ब्रिकी बढ़ गई है। इसके अलावा कीवी पानी फल की भी बिक्री बढ़ गई है।

क्या कहते है डीएस : मौसमी बीमारी का थोड़ा प्रभाव तो प्रत्येक साल रहता है। बीमारी तो बड़ी है लेकिन कमांड में हैःडॉ एस एस कुमार, डीएस, अनुमंडल अस्पताल, महाराजगंज।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष की कैद, प्रसव के दौरान पीड़िता व नवजात की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो उमेश कुमार की अदालत ने 10 वर्ष पूर्व नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में दोषी युवक को 20 वर्ष के सश्रम कारावास व 15000 रूपए अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार महराजगंज थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने मुकदमा पंजीकृत करवाया कि उसकी 16 वर्षीया नाबालिग बहन कक्षा 9 में पढ़ती है। 14 सितंबर 2015 को 3:00 बजे भोर में उसको सवंसा गांव का रहने वाला विजय कुमार गौतम बहला- फुसलाकर कहीं भगा ले गया। पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। कालांतर में आरोपी ने अवयस्क पीड़िता से विवाह करके पति-पत्नी के रूप में रहना प्रारंभ कर दिया, जिससे वह गर्भवती हो गई। प्रसव के दौरान पीड़िता व नवजात शिशु की मृत्यु हो गई। मामले के सभी गवाह पक्ष द्रोही हो गए। किंतु विशेष लोक अभियोजक राजेश कुमार उपाध्याय व कमलेश राय के द्वारा प्रस्तुत किए गए तर्क व बहस तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने आरोपी विजय गौतम को अवयस्क के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में दोषसिद्ध पाते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास व 15000 रूपए अर्थदंड से दंडित किया।

जय गुरुदेव के उत्तराधिकारी पंकज महाराज का भगासा गांव में आगमन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। श्री सूर्यपाल गंगा प्रसाद सिंह न्यू मॉडर्न पब्लिक स्कूल, ईशापुर भगासा के पावन प्रांगण में एक भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। जय गुरुदेव महाराज के उत्तराधिकारी, पीठाधीश्वर पंकज महाराज का आगमन आज हो गया। 20 अगस्त 2025, बुधवार को प्रातः 11 बजे से गुरुजी द्वारा कथा का रसपान कराया जाएगा। यह आयोजन सभी भक्तों और श्रद्धालुओं के लिए एक अनमोल अवसर है, जिसमें वे गुरु जी के सान्निध्य में आध्यात्मिक ज्ञान और भक्ति का आनंद ले सकेंगे। स्कूल प्रबंधन ने सभी क्षेत्रवासियों से विनम्र निवेदन किया है कि वे इस पवित्र आयोजन में उपस्थित होकर कथा का श्रवण करें और गुरु जी के आशीर्वाद से अपने जीवन को कृतार्थ करें। यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक एकता और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने का भी एक माध्यम है। सभी से अनुरोध है कि समय पर पधारकर इस पुण्य कार्य का हिस्सा बनें।

नकली उत्पाद बनाने वाली फैक्टरी पकड़ी

आजमगढ़। त्योहारी सीजन के मद्देनजर ब्रांडेड कंपनियों के चलाए जा रहे नकली उत्पाद विरोधी अभियान के तहत सरायमीर क्षेत्र में एक नकली उत्पाद बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़ हुआ है। यह कार्रवाई शुक्रवार को सरायमीर थाना पुलिस और संबंतिध कंपनी के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने की। कुल जब्त सामान का अनुमानित मूल्य 50,000 रुपये बताई गई है।

टीम ने खादन पट्टी क्षेत्र स्थित एक घर में छापा मारा, जहां नामी कंपनी के खुले सरसों के तेल और बोतलों में भरकर बेचा जा रहा था। साथ ही कंपनी का टॉयलेट क्लीनर की नकली बोतलों में घटिया केमिकल भरकर उसे बाजार में उतारा जा रहा था।

बिजली के नकली सामान कंपनी के प्रतिनिधि ने किया जप्त

वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में गुप्त सूचना के आधार पर मेसर्स पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया पीवीटी लिमिटेड के प्रतिनिधि मनिष गुप्ता उम्र 35 वर्ष पे०-कन्हैया गुप्ता सा०-ई 304 दामोदर पार्क सोसाईटी थाना-तुलिंज नालासोपाड़ा जिला पालघर महाराष्ट्र का निवासी है। कंपनी के प्रतिनिधि मनीष गुप्ता ने डुप्लीकेट बिजली सामाग्री सीवान जिले के महाराजगंज में एक दुकानदार द्वारा बेचने का आरोप लगाया है . आवेदन में कहां है कि हमारे कम्पनी के नाम का नकली एंनकर का नाम नकली समान बिक्री किया जा रहा है, ऑन स्पोर्ट एक और गुप्त सुचना मिली कि एक दुकान से हमारे कम्पनी का नकली समान बिक रहा है, तभी सुचना पाकर गत 17 अगस्त 2025 समय करीब 13:30 बजे महाराजगंज थाना, सिवान आकर लिखित रुप से सूचना दिया। मेरे सुचना के आधार पर महाराजगंज पुलिस पदाधिकारी पु०अ०नि० राजनंदनी कुमारी एवं सशस्त्र बल के साथ, बताये गये गुप्त दुकान पर पहुंची। दुकानदार से नाम व पता पुछा तो उसने अपना नाम लक्की पिता-ओमप्रकाश गुप्ता उम्र-27 वर्ष सा०-अंश इलेक्ट्रोनिक सिहौता बाजार थाना-महाराजगंज जिला सिवान बताया।

दुकान में रखे एंकर का समान माँग कर चेक किया गया तो जिसमें से कुछ समान नकली पाया गया। जिसकी सुची कंपनी के प्रतिनिधि ने बना कर एसआई(दरोगा को) सौंप दी। सूची में 1. एंकर का टॉप प्लग (6ए) एक पीस 2. एंकर का रेगुलेटर एक पीस 3. एंकर के नाम का लकड़ी का बोर्ड जिसमें स्वीच सौकेट लगाने के काम में आते है, जिसके उपर एंकर का नाम लिखा हुआ कुल-46 पीस। इसके संबंध में कागजात की माँग की गयी तो इनके द्वारा किसी प्रकार का संतोषजन जबाब नही दिया गया। तत्पश्चात उपस्थित गवाहो के समक्ष नकली समान को विधिवत जप्ती सुची तैयार किया गया। इस प्रकार का काम करना कॉपी राईट एक्ट 1957 की धारा-63 के तहत अपराध है। कंपनी के प्रतिनिधि मनीष गुप्ता ने दुकानदार के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज करने का अनुरोध किया है। महाराजगंज थाना के इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि आवेदन पर महाराजगंज थाना कांड संख्या 430/ 25 प्राथमिकी दर्ज कर दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

विलिंग्डन इमारत के निवासियों के समर्थन में उतरे पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, कहा नहीं होने देंगे बेघर

मुंबई (उत्तरशक्ति)।दक्षिण मुंबई के ताड़देव इलाके में स्थित ऊंची इमारत विलिंग्डन व्यू को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी की 17वीं से 34वीं मंजिल तक के निवासियों के मन में आगामी गणेश उत्सव त्यौहार को मनाने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। निवासियों को अपने घर से बेघर होने का डर सता रहा है क्योंकि 17वीं से 34वीं मंजिल तक इमारत में ओसी ना होने के कारण उन्हें कोर्ट ने तीन सप्ताह में घर खाली करने का आदेश दिया है। ऐसे में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने इस सोसायटी के निवासियों के सिर पर की छत बचाने के लिए कमर कस ली है औ? हर पेचीदगी की गुत्थी सुलझाकर उनका घर बचाने के लिए पूर्ण कानूनी रूप अख्तियार करते हुए मैदान में उतर आए हैं। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने निवासियों के साथ बैठक कर उन्हें आश्वासन दिया है कि वे घर से बेघर नहीं होंगे और गणेश उत्सव के दौरान गणपति बाप्पा ने चाहा तो उनकी इमारत को ओसी भी मिल जाएगी। तब सारा बखेड़ा स्वतः ही समाप्त हो जायेगा। जनसेवक शेट्टी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा शहर से बाहर हैं। बुधवार को वे बीएमसी कमिश्नर के साथ इसी विषय को लेकर बैठक करेंगे। शेट्टी ने आगे कहा कि सोसायटी के लोगों ने ओसी के लिए आवश्यक पुराने और नए नियमों की सभी प्रक्रिया पूरी कर ली है। वैसे भी कार्पोरेशन के ही एक नियम के अनुसार बिना ओसी के भी लोग अपने घरों में रह सकते हैं। तब भी प्रयास करने पर तीन सप्ताह में इस सोसाइटी को ओसी मिल सकती है, क्योंकि फायर एनओसी के लिए सभी प्रक्रिया ये लोग पूरी कर चुके हैं।अब अधिकारियों पर निर्भर करता है कि वह जल्द से जल्द अपने कर्तव्य का पालन करें। यदि ऐसा नहीं होता है तो जरूरत पड़ने पर सभी सहयोगी नेताओं के साथ

मौसमी बीमारी में मरीजों की संख्या में हो रही बढ़ोत्तरी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में मौसम में बदलाव और उमस भरी गर्मी से बच्चों से लेकर बुजुर्ग वायरल बुखार की चपेट में आ रहे हैं। लोग उल्टी-दस्त के साथ ही पेट दर्द और तेज बुखार से भी पीड़ित हो रहे विश्व भारती ग्लोबल स्कूल में

खाटू श्याम नाटक का हुआ मंचन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंजमें स्थानीय अनुमंडल क्षेत्र की सावान विग्रह गांव के विश्व भारती ग्लोबल स्कूल में स्कूली बच्चों द्वारा खाटू श्याम नाटक का मंचन किया गया। खाटू श्याम बनने तक की संपूर्ण जीवन लीला का सुंदर नाट्य मंचन किया। इस अवसर पर क्षेत्र के दर्शक व छात्र-छात्राओं के अभिभावक भी पहुंचे थे। दर्शकों ने नाट्य मंचन का आनंद लिया और छात्र - छात्राओं ने वाह-वाही की खूब तालियां बटोरी। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक भूखल बाबा ने कहा बच्चों के नाटक मंचन पर बाबा खाटू श्याम के बारे में सभी को जानने का अवसर मिला हैं। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों व शिक्षकों में विशाल कुमार , विकास कुमार ,विक्रांत कुमार, बलिंदर कुमार , राहुल कुमार, रूपाली कुमारी, मोहिनी कुमारी , किरण कुमारी, सावित्री सावित्री कुमारी ,भारती, स्नेहा आदि स्कूल की शिक्षिका व अभिभावक - परमा गिरी ,राजु सिंह , सुखारी राम , दिपक पंडित , सतीश सिंह, इत्यादि उपस्थित थे।

बागी बलिया सत्तू बिक्री की सुविधा डाकघर में शुरू : कर्नल विनोद

वाराणसी। कर्नल विनोद कुमार पीएमजी ने वाराणसी कैण्ट प्रधान डाकघर में आज बागी बलिया के सत्तू की बिक्री की शुरूआत की। बनारस परिक्षेत्र के अंतर्गत बागी बलिया के सत्तू के विक्रय की सुविधा पहली बार की जा रही है। इसके लिए कोई भी व्यक्ति वाराणसी के डाकघरों में जाकर सत्तू का पैकेट बहुत ही वाज़िब दाम यानी सिर्फ. 75 रुपए आधा किलो पर खरीद सकता है। कर्नल विनोद ने बताया कि जब जम्मू कश्मीर से स्थानांतरण होने के बाद पहली बार बनारस में आए तो यहाँ के जीवन में सत्तू के महत्वपूर्ण स्थान के बारे में जानकर बहुत आश्चर्य हुआ और उन्होंने उसी समय निश्चय कर लिया कि बनारस और आस पास के क्षेत्रों में डाकघर के माध्यम से सत्तू की बिक्री करवायेंगे जिससे एक और आम जनता को सही मूल्य पर बागी बलिया का प्रसिद्ध व्यंजन मिलेगा वहीं इस सेवा के द्वारा भारतीय डाक विभाग को बहुत अच्छा रेवेन्यू प्राप्त होगा। इसके पीछे का राज यही है कि यह सत्तू बलिया से सीधे डाकघरों तक पहुंचाया जाएगा और उपभोक्ता को उचित दर पर उपलब्ध होगा।

ज्ञातव्य है कि सत्तू उत्तर प्रदेश के घर घर में सत्तू का प्रयोग होता है। यह पौष्टिक नाश्ते के रूप में खाया और खिलाया जाता है। फि लहाल बनारस के साथ साथ चंदौली, मुगलसराय, जौनपुर, बलिया, नौगढ़ और गाजीपुर जैसे जिलों में भी सत्तू बिक्री की व्यवस्था की गई है ताकि लोग अपने पसंदीदा व्यंजन का स्वाद लें सकें। यहाँ ये बात गौर करने लायक है कि सत्तू एक वैसा व्यंजन है जिसे आप एक बढ़िया एनर्जी ड्रिंक के रूप में पी भी सकते हैं और आटे की तरह सान कर खा भी सकते हैं, दोनों ही अवस्था में सत्तू अपनी पौष्टिकता बरकरार रखता है। कर्नल विनोद ने बताया कि उनके पास सत्तू के कई वर्जन जैसे सत्तू के अलग अलग फ्लेवर गुलाब की खुशबू, कैसर के स्वाद वाला सत्तू और चॉकलेट स्वाद का सत्तू आदि प्रयोगात्मक रूप में दिमाग में मौजूद है। परम्परागत सत्तू भुने चने को पीस कर तैयार किया जाता है जिसे पानी में घोलकर पीया जा सकता है और स्वाद के लिए इसमें काला नमक और पुदीना तथा नींबू डाल कर बनाया जाता है। उन्होंने बताया कि बचपन में सुनी कहानियों में सत्तू का जिक्र होता था ।परमानंद सहायक निदेशक ने कहा कि सत्तू बिक्री के आने से स्टाफ के लिए भी फायदा होगा क्योंकि उनको इसकी खरीद के लिए कहीं और नहीं जाना होगा ।कार्यक्रम में निधि उद्योग के प्रतिनिधि सौरभ ने बताया कि बलिया के सत्तू को छोटे चने से बनाया जाता है जो मलाई चने के नाम से मशहूर है। कार्यक्रम के बाद पहले ग्राहक के रूप में कर्नल विनोद ने सत्तू का पहला पैकेट खरीदा और उनके साथ ही डाकघर में मौजूद जनता ने सत्तू के पैकेट विक्रय करने शुरू किए। कर्नल विनोद ने बताया कि प्रधान मंत्री के स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन और ओ डी ओ पी को ध्यान में रखते हुए सत्तू की बिक्री के लिए वाराणसी परिक्षेत्र में 100 डाकघरों में ये सेवा शुरू की गई है और सफल होने पर इसका विस्तार उत्तर प्रदेश के सभी डाकघरों में किया जाएगा और यू पी में सफल होने पर देश के अन्य राज्यों में पूरे भारत में सत्तू बिक्री की वव्स्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में नई पीढ़ी कृत्रिम रूप से तैयार हो रहे पेय पदार्थों को इस्तेमाल करने से स्वास्थ्य को हानि पहुँचा रही है जबकि प्राकृतिक रूप से उपलब्ध सत्तू का उपयोग करने से उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर होगा। सुश्री पल्लवी ने कहा कि सत्तू की पौष्टिकता और गुणवत्ता को नई पीढ़ी में प्रदर्शित करने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं। जिस्में हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को विशेष सुविधा प्रदान की जाएगी। सुश्री पूजा ने बताया कि बनारस और आसपास के इलाकों में सत्तू का सेवन बहुत समय से किया जाता रहा है और अब यह एक तार्किक दिशा की तरफ अच्छा कदम है जो विभाग को बहुत रेवेन्यू हासिल करा सकता है। डाकघर में आए लोगों में से कई लोगों ने इस सुविधा का फायदा उठाया और सत्तू के पैकेट खरीदें हैं। इस अवसर पर हेमंत अधीक्षक बलिया और सुरेश वाराणसी वेस्ट अधीक्षक ने भी अपने विचार व्यक्त किए ।ज्ञातव्य है कि 20 अगस्त 1942 में चित्तू पांडेय के नेतृत्व में बलिया ने अपने को आजाद घोषित कर दिया था इस तरह से सत्तू की पोस्ट ऑफिस में बिक्री एक एतिहासिक दिन के पास शुरू हुई है। योजना के पहले ही दिन 2500 से अधिक सत्तू पैकेट की बिक्री हो गई है।

सैनी इंडिया ने नये SY35U PRO एक्सकेवेटर के लॉन्च के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

मुंबई। सैनी, कंस्ट्रक्शन, माइनिंग, लॉजिस्टिक्स और एनर्जी इक्विपमेंट बनाने वाली प्रमुख कंपनी, ने आज नए SY35U PRO के लॉन्च की घोषणा की। यह एक अगली पीढ़ी का 3.5-टन हाइड्रोलिक एक्सकेवेटर है, जिसे बेहतर प्रदर्शन, ज्यादा सुविधा और उच्च विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए बनाया गया है। भारत के बुनियादी ढांचे के विकास, शहरी निर्माण और ग्रामीण परियोजनाओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किये गये SY35U PRO में टेक्नोलॉजी का संयोजन कॉम्पैक्ट और मजबूत डिजाइन के साथ किया गया है। यह सभी तरह की जरूरतों के लिए एक आदर्श समाधान है। ह्यसैनी इंडिया ने लॉन्च किया SY35U PRO विकास के वाहन में एक नया पहिया थीम के तहत, इस मॉडल की पेशकश भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस को भी सम्मान देती है, और राष्ट्र निर्माण में सैनी की प्रतिबद्धता मजबूत करती है।

SY35U PRO ईंधन-बचत करने वाले इंजन और आधुनिक लोड सेंसिंग हाइड्रोलिक सिस्टम से चलता है, जो तंग और मुश्किल जगहों पर आसान, तेज, और बेहतर काम सुनिश्चित करता है। यह शानदार खनन क्षमता, सबसे अच्छी ईंधन दक्षता, और कम रखरखाव के साथ आता है। अगली पीढ़ी का यह एक्सकेवेटर 5,000 घंटे तक बिना सर्विस के चल सकता है और इसमें आसान सर्विसिंग के लिए ग्राउंड-लेवल फिल्टर एक्सेस है। SY35U PRO ज्यादा समय तक काम करता है और उत्पादकता बढ़ाता है, साथ ही ऑपरेटर को और आराम देता है। SY35U PRO एक्सकेवेटर में एक बड़ा और कम शोर वाला केबिन है, जिसमें वैकल्पिक उच्च-क्षमता वाला एसी, आरामदायक अपने मुताबिक एडजस्ट करने वाली सीट, यूएसबी म्यूजिक सिस्टम, और सुविधाजनक नियंत्रण हैं। सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए इसमें बूम पर एलईडी वर्क लैंप और बैटरी डिस्कनेक्ट स्विच जैसे फीचर्स भी जोड़े गए हैं।

चेतावनी : टेंडर जारी हुआ तो होगा अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और जेल भरो आंदोलन

* बिजली का निजीकरण : कर्मचारियों की नौकरी और जनता की जेब दोनों पर चोट!
* संघर्ष समिति का आरोप : निजी घरानों की तिजोरी भरने की साजिश, जनता को झेलनी पड़ेगी महंगी बिजली
* आरएफपी डाक्यूमेंट निरस्त करने की मांग

-सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण की तैयारी ने न केवल हजारों कर्मचारियों बल्कि आम जनता की नींद भी उड़ा दी है। वाराणसी समेत पूरे प्रदेश में बिजलीकर्मियों ने मंगलवार को जबरदस्त प्रदर्शन कर सरकार और पावर कार्पोरेशन प्रबंधन पर तीखा हमला बोला। संघर्ष समिति ने साफ चेतावनी दी कि यदि निजीकरण का टेंडर जारी हुआ तो न सिर्फ कार्य बहिष्कार होगा बल्कि सामूहिक जेल भरो आंदोलन भी होगा।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने नियामक आयोग को भेजे पत्र में कहा है कि निजीकरण का आर.एफ.पी. डाक्यूमेंट सीधे-सीधे निजी घरानों के हित में तैयार किया गया है। इससे न केवल 50 हजार संविदा कर्मियों और 16,500 नियमित कर्मचारियों की नौकरी खतरे में पड़ जाएगी, बल्कि उपभोक्ताओं पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। समिति ने सवाल उठाया कि क्या सरकार जनता को सस्ती बिजली देने आई थी या फिर चंद कंपनियों के मुनाफे के लिए आम लोगों की जेब काटने? समिति ने कहा कि यह सीधा हमला बिजलीकर्मियों के भविष्य पर है, लिहाजा नियामक आयोग को बिना कर्मचारियों की राय सुने किसी दस्तावेज को स्वीकृति नहीं देनी चाहिए।

नेताओं ने चेतावनी दी कि निजीकरण होते ही बिजली बिल आसमान छूने लगेंगे, उपभोक्ताओं को समय पर सेवा नहीं मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में तो बिजली पहुंचना ही मुश्किल हो जाएगा। निजी कंपनियां सिर्फ मुनाफा देखेंगी, जनता का हित नहीं,ह्व यह आरोप हर वक्ता ने दोहराया। संघर्ष समिति ने पूर्व निदेशक वित्त निधि नारंग और ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट ग्रांट थार्टन की मिलीभगत का मुद्दा भी उठाया। आरोप लगाया गया कि निजी घरानों को फायदा पहुंचाने के लिए डाक्यूमेंट तैयार कराया गया था।

समिति ने कहा कि जब दस्तावेज ही संदिग्ध है तो उस पर कोई भी निर्णय जनता के साथ धोखा होगा। सभा में अंकुर पांडेय, मनोज यादव, रोहित कुमार, योगेंद्र कुमार, एस.के. भूषण, राजू सिंह, अरुण कुमार, रमेश सिंह, आदित्य पांडेय, पी.एन. चक्रधारी, अभिषेक कुमार, गुलजार, प्रवीण सिंह, वीरेंद्र कुमार व अरुण कुमार सिंह ने कहा कि ह्वबिजली का निजीकरण केवल कर्मचारियों की लड़ाई नहीं है, यह हर उपभोक्ता की लड़ाई है। महंगी बिजली और खराब सेवा को रोकने के लिए जनता को भी साथ आना होगा। सभी ने एक स्वर में कहा कि ह्वबिजली का निजीकरण किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं।

कर्मियों के भविष्य के साथ खिलवाड़!

सरकार का यह कदम साफ तौर पर जनता और कर्मचारियों दोनों के भविष्य से खिलवाड़ है। निजीकरण का सीधा अर्थ है, जनता के लिए महंगी बिजली और कर्मचारियों के लिए असुरक्षा। ऐसे में यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह बिजली को मुनाफे का साधन न बनाकर लोकसेवा का साधन बनाए। यदि सरकार अपनी जिद छोड़कर संवाद का रास्ता अपनाए तो न सिर्फ हजारों परिवारों की आजीविका सुरक्षित होगी बल्कि आम जनता भी राहत की सांस ले सकेगी। वरना यह संघर्ष केवल बिजलीकर्मियों तक सीमित नहीं रहेगा, यह हर घर की लड़ाई बन जाएगा। बता दें, उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण का मुद्दा तूल पकड़ चुका है। सरकार और पावर कार्पोरेशन प्रबंधन जिस तेजी से निजीकरण की ओर बढ़ रहे हैं, उसने प्रदेश भर के बिजलीकर्मियों के भविष्य को असुरक्षित कर दिया है। कॉमन केडर अभियंता और जूनियर इंजीनियर भी या तो बेरोजगार होंगे या पदावनति का शिकार। सवाल यह है कि जिस योजना से हजारों परिवारों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है, उसे किसके हित में आगे बढ़ाया जा रहा है?

मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए आयुष्मान कार्ड शिविर 21 व 22 अगस्त को लखनऊ में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ ने राज्य के पत्रकारों के लिए विशेष सुविधा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभाग के अनुसार स्टेट हेल्थ एजेंसी (साची) द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए आयुष्मान कार्ड जारी करने एवं संशोधन कराने के लिए दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 21 व 22 अगस्त 2025 क्रमशः गुरुवार एवं शुक्रवार को आयोजित होगा। अपर निदेशक सूचना ने सभी जिलों के उप निदेशक, सहायक निदेशक एवं जिला सूचना अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों के मान्यता प्राप्त पत्रकारों को इस शिविर की जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि वे निर्धारित तिथियों में पहुंचकर अपना आयुष्मान कार्ड बनवा ले या उसमें आवश्यक संशोधन करवा सकें साथ ही यदि उनके आयुष्मान कार्ड में किसी प्रकार की कोई त्रुटि या संशोधन होना है तो वह इस शिविर में प्रतिभाग कर लाभ उठा सकते हैं।

महाराष्ट्र कूर्मि क्षत्रिय समाज की परिचर्चा में युवाओं के रोजगार पर विचार-विमर्श

महाराष्ट्र कुर्मी क्षत्रिय समाज की नई कार्यसमिति गठित

मुंबई। महाराष्ट्र कुर्मी क्षत्रिय समाज की ओर से रविवार को दहिसर (पूर्व) स्थित राजश्री बैंक्वेट हॉल में एक परिचर्चा आयोजित की गई। इस दौरान सामाजिक एकता, शिक्षा, उन्नति और युवाओं के रोजगार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। इस मौके पर नई कार्यसमिति गठित की गई। पूर्व कोषाध्यक्ष कृष्णकांत सिंह की अध्यक्षता में नवनिर्वाचित कार्यसमिति की बैठक में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों व सदस्यों की घोषणा की गई। नई कार्यसमिति में अध्यक्ष पद पर डॉ. उत्तम प्रकाश सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्णकांत सिंह, उपाध्यक्ष श्रीप्रकाश, महासचिव नरेंद्र कुमार सिंह, सहसचिव श्याम बिहारी सिंह, कोषाध्यक्ष सुभाष सिंह, संगठन सचिव सुग्रीव सिंह, प्रचार-प्रसार सचिव बृजलाल पटेल को नियुक्त किया गया है। कार्यसमिति में मार्कण्डेय सिंह, विनय बहादुर सिंह और सुनील कुमार सिंह को भी जगह दी गई है। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश सिंह, महाराष्ट्र कुर्मी क्षत्रिय समाज के पूर्व अध्यक्ष हरीश वर्मा, जवाहर पटेल, अंबालाल पटेल, राकेश सचान, प्रोफेसर अनिल सिंह आदि ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष डॉ. उत्तम प्रकाश सिंह ने कहा कि यह पद मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी का प्रतीक है। मैं समाज की एकता, शिक्षा, सामाजिक उन्नति और युवाओं के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। महासचिव नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मेरे लिए यह पद समाज की सेवा का एक अवसर है। मैं पूरी निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करने, समाज की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान हेतु कार्य करने का संकल्प लेता हूं।

कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र सिंह ने कहा कि पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ समाज की आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ करना मेरी प्राथमिकता रहेगी। समाज के हर सदस्य का विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। मैं इस विश्वास को निभाने का वचन देता हूं।

पीएनबी अपनी कॉरपोरेट वेबसाइट को सुरक्षित बैंक.इन डोमेन पर स्थानांतरित करने वाला बना पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक

मुंबई, 19 अगस्त 2025: सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंको में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने आरबीआई के 22 अप्रैल 2025 के सर्कुलर र्माइग्रेशन टू '.बैंक.इन' डोमेन्स के अनुरूप और इस डोमेन के लिए एकमात्र रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करने वाले बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास और अनुसंधान संस्थान (आईडीआरबीटी) के मार्गदर्शन में, अपनी कॉर्पोरेट वेबसाइट को '.बैंक.इन' डोमेन (https://pnb.bank.in) पर सफलतापूर्वक स्थानांतरित कर दिया है। यह भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के डिजिटल परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस कदम के साथ, पीएनबी भारत का पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है जिसने अपनी कॉर्पोरेट वेबसाइट को सुरक्षित '.बैंक.इन' डोमेन पर स्थानांतरित किया है, जो सुरक्षित और संरक्षित डिजिटल बैंकिंग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

'.बैंक.इन' डोमेन विशेष रूप से बैंकों के लिए आरक्षित है, जो धोखाधड़ी का मुकाबला करने, साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने और डिजिटल बैंकिंग में जनता के विश्वास को बढ़ाने के लिए मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है। ग्राहक अब पीएनबी की कॉरपोरेट वेबसाइट पर सुरक्षित रूप से https://pnb.bank.in से एक्सेस कर सकते हैं।

साइकल प्योर अगरबत्ती ने गणेश चतुर्थी पर पेश किए विशेष पूजा किट्स

मुंबई। इस गणेश चतुर्थी को और विशेष बनाने के लिए साइकल प्योर अगरबत्ती, दुनिया की सबसे बड़ी अगरबत्ती निमार्ता कंपनी, ने दो नए और अनोखे उत्पाद लॉन्च संपूर्ण गणेश चतुर्थी पूजा किट और प्ले, लर्न एंड प्रे विद गणेशा किड्स किट पेश किए हैं। संपूर्ण गणेश चतुर्थी पूजा किट गणेश पूजा के लिए आवश्यक सभी सामग्री के साथ आती है, जैसे इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा, धूप, कुमकुम, हल्दी, दीये, पूजा स्टैंड और कलश। साथ ही, इसमें वीडियो वॉक-थ्रू और ‍मंत्रोच्चारण गाइड‍ भी दी गई है, ताकि पूजा सरल और सम्पूर्ण तरीके से की जा सके। इसकी कीमत 999 रुपये है और यह एक प्रामाणिक पूजा अनुभव प्रदान करती है। प्ले, लर्न एंड प्रे विद गणेशा किड्स किट,यह किट बच्चों को भारतीय परंपराओं और भक्ति से जोड़ने के लिए तैयार की गई है। इसमें शामिल हैं,एक्टिविटी और कलरिंग बुक, श्री गणेश जी की कहानियों की स्टोरीबुक पाम-लीफ स्क्रॉलिंग बुक, सुरक्षित धूप सेट और आशीर्वाद बुकमार्क।इसकी कीमत 499 रुपये है और यह बच्चों के लिए पूजा को मजेदार और रोचक बनाती है।इस अवसर पर साइकल प्योर अगरबत्ती के मैनेजिंग डायरेक्टर अर्जुन रंगा ने कहा, त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवारों को जोड़ने और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का माध्यम हैं। हमारे नए उत्पाद भक्ति और सृजनात्मकता का सुंदर संगम हैं, जो पूजा को आनंददायक और सरल बनाते हैं। ये दोनों किट्स साइकल प्योर के स्टोर्स, वेबसाइट और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर पूरे भारत में उपलब्ध हैं।

युके में पाकिस्तानियों ने की तिरंगा छीनने की कोशिश, भारतीय मुस्लिम लड़कियों से दिया करारा जवाब

लंदन। भारत के स्वतंत्रता दिवस पर लंदन की सड़कों पर एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के नागरिक आमने-सामने आ गए। भारतीय मुस्लिम बेटियों ने तिरंगे की शान बचाने के लिए पाकिस्तानियों को करारा जवाब दिया और हिंदुस्तान जिंदाबाद जोरदार नारे लगाए। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए भारतीय समुदाय बड़ी संख्या में तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरा था। इस दौरान कुछ पाकिस्तानी युवकों ने भारतीय लड़कियों से बदसलूकी की और तिरंगा छीनने की कोशिश की। भारतीय मुस्लिम लड़कियों ने हिम्मत नहीं हारी और डटकर जवाब दिया। लड़कियों के साहस के सामने पाकिस्तानी पीछे हटने पर मजबूर हो गए।सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक मुस्लिम लड़की तिरंगा लेकर आजादी का जश्न मना रही थी तभी पाकिस्तानी युवकों ने रोकने की कोशिश की। लेकिन लड़की ने जोरदार प्रतिरोध किया और पाकिस्तानियों को वहीं से खदेड़ दिया। यह पहला मौका नहीं है जब लंदन में भारत और पाकिस्तान के नागरिक भिड़े हों। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आए थे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी लंदन की सड़कों पर भारत-पाकिस्तान समर्थकों के बीच झड़प हुई थी। हर साल अगस्त में स्थिति ज्यादा तनावपूर्ण हो जाती है, क्योंकि पाकिस्तान 14 अगस्त और भारत 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाता है।

एमार इंडिया ने मनाया सम्मान दिवस, सर्विस पार्टनर्स और ग्राउंड फोर्स नायकों को किया सलाम

मुंबई। विश्व प्रसिद्ध ब्रांड एमार की भारतीय इकाई, एमार इंडिया ने आज अपने हरियाणा के गुरुग्राम स्थित कॉरपोरेट कार्यालय में अपने अर्धवार्षिक सम्मान दिवस का आयोजन किया। यह विशेष पहल उन सर्विस पार्टनर्स और ग्राउंड फोर्स नायकों को समर्पित है, जो परदे के पीछे रहकर कार्यस्थलों को सुचारु, सुरक्षित और स्वागतयोग्य बनाए रखते हैं। यह दिन उनके समर्पण, धैर्य और टीम भावना को सम्मानित करने का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम में सीईओ कल्याण चक्रवर्ती, सीएचआरओ एवं हेड-कम्युनिटीज सुश्री माधुरी मेहता और वरिष्ठ प्रबंधन टीम उपस्थित रहे। इस अवसर पर ग्राउंड फोर्स स्टाफ को सम्मानित किया गया और उनके परिवारों के योगदान को भी सराहा गया। प्रबंधन ने इन मेहनती कर्मचारियों की भूमिका को एमार इंडिया की संस्कृति और भविष्य की सफलता का आधार बताया।

इस मौके पर एमार इंडिया के सीईओ कल्याण चक्रवर्ती ने कहा, सम्मान दिवस हमारे लिए गर्व का दिन है। यह उन हाथों को नमन करने का अवसर है जिन्होंने शुरूआत से हमारी सफलता की नींव रखी है। हमारा मानना है कि हमारे इस बड़े परिवार के हर सदस्य की हमारे सफर में एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमारा ग्राउंड फोर्स हमारी संस्कृति और मानकों के मौन प्रहरी हैं। यह दिवस उनके प्रति आभार और सम्मान प्रकट करने का एक प्रयास है, जो हमें याद दिलाता है कि हमारी उपलब्धियाँ समर्पण, टीमवर्क और आपसी विश्वास पर टिके हैं।

सम्मान दिवस की परिकल्पना सुश्री माधुरी मेहता-सीएचआरओ और हेड कम्युनिटीज द्वारा की गई थी। यह एमार इंडिया की एक प्रमुख एचआर पहल है, जिसके तहत कॉरपोरेट ऑफिस, क्षेत्रीय कार्यालयों और प्रोजेक्ट साइट्स पर काम करने वाली ग्राउंड फोर्स टीमों को सम्मानित किया जाता है। यह उन अनसुने नायकों को एक गौरवपूर्ण सम्मान है, जिनकी निष्ठा ने एमार इंडिया को ग्रेट प्लेस टू वर्क बनाने में अहम भूमिका निभाई है। सम्मान दिवस पहल का उद्देश्य पर्दे के पीछे काम करने वाले उन लोगों को पहचान, आदर और प्रतिष्ठा देना है, जिनकी मेहनत और निष्ठा एमार की सफलता का आधार है। इसका आयोजन हर साल दो बार- स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर किया जाता है, क्योंकि ये दोनों अवसर एकता, गर्व और सामूहिक प्रयास के प्रतीक हैं। स्वतंत्रता दिवस पर पूरी ग्राउंड फोर्स टीम को सम्मानित किया जाता है, वहीं गणतंत्र दिवस पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को विशेष पुरस्कार और आर्थिक प्रोत्साहन दिए जाते हैं। सम्मान दिवस सिर्फ आभार जताने का दिन नहीं, बल्कि हर सहयोगी को बराबरी और गर्व का अहसास दिलाने की पहल है।

लक्जरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक सेडान 'कैमरी' का नया स्प्रिंट एडिशन लॉन्च

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड (टीकेएम) ने भारत में अपनी प्रतिष्ठित लक्जरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक सेडान कैमरी का नया स्प्रिंट एडिशन लॉन्च किया। यह नया वेरिएंट और भी स्पोर्टियर और डायनैमिक लुक के साथ आता है, जिसमें डुअल-टोन एक्सटीरियर, मैट ब्लैक एक्सेंट्स और एक्सक्लूसिव स्पोर्ट्स किट शामिल हैं। इसे खास तौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो स्पोर्टी स्टाइल के साथ मजेदार और आरामदायक ड्राइविंग अनुभव चाहते हैं। कैमरी स्प्रिंट एडिशन पर अपनी राय रखते हुए वरिंदर वाधवा, वाइस प्रेसिडेंट सेल्स, सर्विस और यूज्ड कार बिजनेस, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्रा. लि., ने कहा, हम हमेशा ग्राहकों की बदलती आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ते हैं और यही हमारी प्रगति का आधार है। कैमरी स्प्रिंट एडिशन इसी सोच को दशार्ता है। इसमें आकर्षक डुअल-टोन स्टाइलिंग, बोल्ड ब्लैक मैट अलॉय व्हील्स और एक्सक्लूसिव स्पोर्ट्स किट दी गई है, जो कार को दमदार और स्पोर्टी लुक देती है। हमें विश्वास है कि यह नया वेरिएंट आधुनिक उपभोक्ताओं को खूब पसंद आएगा और टोयोटा की सतत गतिशीलता के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा। कैमरी स्प्रिंट एडिशन को टोयोटा सेफ्टी सेंस 3.0 से लैस किया गया है, जिसमें प्री-कोलिजन सिस्टम, डायनैमिक रडार क्रूज कंट्रोल, लेन डिपार्चर अलर्ट, लेन ट्रेसिंग असिस्ट और ऑटोमैटिक हाई बीम जैसी खूबियाँ शामिल हैं। इसके साथ ही SRS एयरबैग्स, व्हीकल स्टैबिलिटी कंट्रोल, ट्रैक्शन कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग और 360 पैनोरैमिक व्यू मॉनिटर जैसी अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाएँ भी दी गई हैं। आराम और सुविधा के लिए कार में 10-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट (लम्बर सपोर्ट और मेमोरी सहित), वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पेडल शिफ्टर्स, वायरलेस चार्जर, हेड्स-अप डिस्प्ले और ओआरवीएम (ORVM) तथा टिल्ट-टेलिस्कोपिक स्टीयरिंग कॉलम के लिए मेमोरी सेटिंग्स दी गई हैं। यह सभी फीचर्स कार को एक साथ परफॉर्मेंस, लक्जरी और यूजर-फ्रेंडली फंक्शनैलिटी प्रदान करते हैं। कैमरी स्प्रिंट एडिशन अब 5 डुअल-टोन स्पोर्टी रंगों में उपलब्ध है– इमोशनल रेड एंड मैट ब्लैक, प्लेटिनम व्हाइट पर्ल एंड मैट ब्लैक, सीमेंट ग्रे एंड मैट ब्लैक, प्रीसियस मेटल एंड मैट ब्लैक और डार्क ब्लू मेटैलिक एंड मैट ब्लैक। इन आकर्षक रंगों के साथ यह प्रीमियम हाइब्रिड सेडान और भी बोल्ड और स्टाइलिश अंदाज पेश करती है। पूरे भारत में इसे 48,50,000 रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत पर पेश किया गया है। टोयोटा ग्राहकों के भरोसे को ध्यान में रखते हुए हाइब्रिड बैटरी पर 8 साल या 1,60,000 किमी (जो भी पहले पूरा हो) की वारंटी देती है। यह सुविधा लंबे समय तक निश्चिंत ड्राइविंग का भरोसा दिलाती है। कैमरी स्प्रिंट एडिशन की बुकिंग अब आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। ग्राहक इसे ऑनलाइन टोयोटाभारत डॉटकॉम पर बुक कर सकते हैं या फिर अपने नजदीकी टोयोटा डीलरशिप पर जाकर भी बुकिंग करा सकते हैं।

सहारनपुर अस्पताल में महिला CMS के बोलने पर डॉक्टर ने दी धमकी, दिखी सत्ता की धमक

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिला अस्पताल में मंगलवार को एक बार फिर प्रशासनिक अव्यवस्थाएं सुर्खियों में आ गईं, जब वरिष्ठ डॉक्टर और महिला सीएमएस के बीच तीखी बहस हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें डॉक्टर, सीएमएस से बहस करते हुए यह कहते नजर आते हैं, ‍मेरे भैया रूलिंग पार्टी के विधायक हैं, धरने पर बैठवा दूंगा।

घटना उस समय हुई जब महिला सीएमएस डॉ. सुधा सिंह मरीजों की डिटेल्स वाली एक महत्वपूर्ण फाइल अपने साथ ले गईं, जिससे इलाज में बाधा आने लगी। सर्जन डॉ. सीपी रोशन और डॉ. शिविंदर सिंह, मरीजों की परेशानी के चलते जब सीएमएस के कमरे में बातचीत करने पहुंचे, तो बातचीत जल्द ही विवाद में बदल गई। सीएमएस ने दोनों डॉक्टरों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा, मेरे कमरे से बाहर जाइए, बदतमीजी मत कीजिए। इस पर डॉ. रोशन ने जवाब दिया, मेरे भैया विधायक हैं, उन्हें बुलाकर धरने पर बैठवा दूंगा। डॉ. सुधा सिंह ने आरोप लगाया कि दोनों डॉक्टर जानबूझकर उनके खिलाफ माहौल बना रहे हैं और अस्पताल में कार्य नहीं कर रहे। उन्होंने यह भी कहा कि डॉक्टर अस्पताल की अव्यवस्थाओं को मीडिया में उछालकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

डॉ. सीपी रोशन ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि कुछ दिन पहले उन्होंने एक मरीज का चेस्ट एक्स-रे कराने को कहा था, लेकिन तीन दिन तक एक्स-रे नहीं हुआ। जब उन्होंने नर्सिंग स्टाफ से पूछा, तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उनके अनुसार, सीएमएस को संदेह है कि मीडिया में जो रिपोर्ट आई थी, वह उन्हीं के द्वारा करवाई गई थी, जबकि उनका इसमें कोई योगदान नहीं है। यह घटना एक बार फिर जिला अस्पताल की प्रशासनिक स्थिति पर सवाल खड़े करती है। पहले भी यहां अव्यवस्थाओं को लेकर रिपोर्टें सामने आती रही हैं। अब जब आंतरिक टकराव सार्वजनिक हो गया है, तो स्वास्थ्य विभाग की भूमिका भी कटघरे में आ गई है।

नींद से जगाया, एक जगह इकट्ठा किया और काट डाला, कांगो देश में गंडासे और कुदाल से 52 लोगों की हत्या

किंशासाः अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। इस देश के पूर्वी भाग में स्थित बेनी और लुबेरो इलाकों में गंडासे और कुदाल से लैस इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोहियों ने कम से कम 52 नागरिकों की हत्या कर दी है। क्षेत्रीय कांगो सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट एलोंगो क्योंडवा मार्क ने बताया कि एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज (ADF) के विद्रोही कांगो सेना से मिली हार का बदला ले रहे थे। कांगो लंबे समय से हिंसा से जूझ रहा है। उसका आरोप है कि पड़ोसी रवांडा समर्थित विद्रोही उनके देश में कत्लेआम कर रहे हैं।

लुबेरो के बापेरे सेक्टर के प्रमुख मैकेयर सिविकुनुला ने बताया, ‍जब विद्रोही पहुंचे, तो उन्होंने पहले निवासियों को जगाया, उन्हें एक जगह इकट्ठा किया, रस्सियों से बांधा और फिर गंडासे और कुदाल से उनका कत्लेआम शुरू कर दिया। लुबेरो क्षेत्र के सैन्य प्रशासक एलेन किवेवे ने कहा कि अकेले मेलिया गांव में ही लगभग 30 नागरिक मारे गए। उन्होंने कहा, पीड़ितों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं, जिनका गला उनके घरों में रेत दिया गया और कई घरों में आग लगा दी गई। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन (MONUSCO) के प्रवक्ता ने सोमवार को कहा कि मिशन ने 9 से 16 अगस्त के बीच ADF द्वारा किए गए हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। प्रवक्ता ने कहा कि हमलों में कम से कम 52 नागरिक मारे गए, जिनमें आठ महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी रहने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। ADF, कांगो के खनिज-समृद्ध पूर्वी क्षेत्र में भूमि और संसाधनों के लिए संघर्ष कर रहे कई मिलिशियाओं में से एक है। कांगो की सेना और उसके सहयोगी युगांडा ने हाल के हफ्तों में ADF के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। जुलाई के अंत में, एडीएफ विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो में एक चर्च पर हमला कर 38 लोगों की हत्या कर दी थी।

आर्मी जवान को बांधा गया, अपमान हुआ, संगीन मानवाधिकार उल्लंघन का केस

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ के भूनी टोल प्लाजा पर 17 अगस्त की रात सेना के जवान कपिल कवद के साथ हुई मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना की शिकायत 19 अगस्त को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से की गई थी। एनएचआरसी ने मामले पर संज्ञान लेते हुए मेरठ के डीएम, एसएसपी और NHAI अध्यक्ष को नोटिस जारी किया है। आयोग ने उनसे दो हफ्ते में एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है। इस मामले में एनएचएआई की ओर से पहले ही निजी एजेंसी पर जुमार्ना लगाया गया है। वहीं, पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए मुख्य आरोपी समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की है।

एनएचआरसी ने शिकायती पत्र के आधार पर कहा कि प्रथम दृष्टि में यह मामला सैनिक के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का है। प्रियांक कानूनगो की अध्यक्षता वाली एनएचआरसी की पीठ ने इस मामले को मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की धारा 12 के तहत संज्ञान में लिया है। आयोग ने मेरठ पुलिस, डीएम और NHAI से शिकायत की जांच कराकर जवाब मांगा है। एनएचआरसी ने निर्देश दिया है कि जांच कर दो हफ्ते के भीतर रिपोर्ट पेश की जाए।

शिकायतकर्ता के अनुसार, ट्रैफिक जाम की वजह से जवान ने टोल कर्मचारियों से प्रबंधन सुधारने का अनुरोध किया। इस पर विवाद इतना बढ़ गया कि टोल कर्मचारियों ने जवान को पीटकर खंभे से बांध दिया और सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। घटना से आक्रोशित ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। पुलिस ने FIR दर्ज कर कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया। मामले में आरोप लगा है कि टोल कर्मचारियों ने कथित तौर पर पीड़ित की पिटाई की। सैनिक को खंभे से बांध दिया। इससे उसका सार्वजनिक रूप से अपमान हुआ।

एनएचआरसी को भेजे शिकायती पत्र में कहा गया है कि सैनिक के अपमान के विरोध में ग्रामीण जुटे। हंगामा के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया। NHAI ने निजी टोल एजेंसी पर 20 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। शिकायतकर्ता ने रक्षा कर्मियों की सुरक्षा और सम्मान के बारे में चिंता व्यक्त की।

सैनिक की ओर से की गई शिकायत में सुरक्षाकर्मियों को सुरक्षित एवं बिना रोकटोक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी निर्देश-दिशानिर्देश जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने NHRC से जवाबदेही सुनिश्चित करने, पीड़ित को मुआवजा देने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अनुरोध किया है। इसके साथ ही देश भर में टोल प्लाजा कर्मचारियों के लिए बेहतर प्रोटोकॉल और प्रशिक्षण सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

भारतीय सेना की सूर्य कमांड ने घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह एक सर्विंग सैनिक के सम्मान पर हमला है। सेना ने इसे बर्दाश्त न करने की चेतावनी दी और उत्तर प्रदेश पुलिस से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सेना की ओर से दर्ज एफआईआर में हत्या की कोशिश, गैरकानूनी जमावड़ा और डकैती की धाराएं शामिल की गई हैं। अब तक छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

सेना के विरोध के बाद नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने टोल कलेक्शन एजेंसी मेसर्स धरम सिंह पर 20 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। साथ ही एजेंसी को भविष्य की टोल बोलियों से प्रतिबंधित करने और अनुबंध खत्म करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एनएचएआई ने बयान जारी कर कहा कि टोल कर्मचारियों का यह व्यवहार अस्वीकार्य है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों की सुरक्षित एवं निर्बाध यात्रा सुनिश्चित की जाएगी।